www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 सियासी धड़कनें बढ़ाने वाला इस्तीफा, उठने लगे कई सवाल

कंबोडियाई सैनिकों की गोलीबारी में 12 थाई लोगों की मौत 06

वर्ष :17 | अंक :114 | प्रयागराज ,शुक्रवार , 25 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बंगाल में बांग्लादेश सीमा के पास बीएसएफ ने 16 किलो चांदी के आभूषण जब्त किए, एक गिरफ्तार

बीएसएफ ने कहा कि सभी 16 पैकेटों में चांदी के आभूषण पाए गए। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए सामान की कीमत लगभग 16.82 लाख रुपये है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि गिरफ्तार व्यक्ति बाल्टी गाँव का रहने वाला एक भारतीय नागरिक है। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उसे संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा है कि उसके जवानों ने दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अंतर्गत तराली सीमा चौकी पर गश्त के दौरान 16.55 किलोग्राम चांदी के आभूषण जब्त किए और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अर्धसैनिक बल ने गुरुवार को एक बयान में यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना के आधार पर, 143 बटालियन के जवानों ने एक मोटर चालित वैन को रोका और जाँच करने पर लकड़ी के वाहन के एक गुप्त स्थान में भूरे रंग के टेप में लिपटे 16 पैकेट बरामद किए। बीएसएफ ने कहा कि सभी 16 पैकेटों में चांदी के आभूषण पाए गए। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए सामान की कीमत लगभग 16.82 लाख रुपये है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि गिरफ्तार व्यक्ति बाल्टी गाँव का रहने वाला एक भारतीय नागरिक है। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उसे संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर में अज्ञात बदमाशों ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि षष्ठी घोष बुधवार रात घर लौट रहे थे तभी हमलावरों ने उन्हें रोका और एक धारदार हथियार से उन पर कई बार हमला किया। उन्होंने बताया कि सड़क पर खून से लथपथ पड़े घोष को स्थानीय अस्पताल ले जाया गयाजहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि आशंका है कि संपत्ति के मामलों को लेकर आपसी रंजिश के कारण यह हत्या की गई हो, लेकिन असली मकसद जांच के बाद ही पता चलेगा। आरोपियों की तलाश जारी है। इस बीच, मृतक के परिवार ने दावा किया कि घोष की हत्या तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने के कारण की गई। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटना में दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप इलाके के मधुसूदनपुर में बुधवार को एक पंचायत सदस्य के भतीजे की कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि घर से निकलने के कुछ समय बाद युवक का शव एक खुले मैदान में मिला।

हमारे पास पूरे सबूत, छोड़ेंगे नहीं...

हजारों बोगस वोटर जोड़े, हमारे पास 100% सबूत; बच जाएंगे, इस गलतफहमी में न रहें

चेतावनी

राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि मैं चुनाव आयोग को एक संदेश देना चाहता हूँ: अगर आपको लगता है कि आप बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं। आप बच नहीं पाएँगे, क्योंकि हम आपके पीछे पड़ जाएँगे।

एजेंसी

चुनाव आयोग बोला- राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर सोचिए

राहुल गांधी ने यह बातें चुनाव आयोग के उस बयान के बाद कही हैं, जिसमें बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन प्रोसेस का बचाव किया गया था। चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक बयान में अपने आलोचकों से सवाल पूछा कि क्या मृत और प्रवासी मतदाताओं के नाम पर फर्जी वोट डालने की अनुमति देनी चाहिए।चुनाव आयोग ने पूछा, "रिवीजन प्रोसेस का मकसद सिर्फ अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट से हटाना है। क्या चुनाव आयोग के पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की जा रही प्रामाणिक मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला नहीं है?"चुनाव आयोग ने कहा, "इन सवालों पर, कभी न कभी, हम सभी को और भारत के सभी नागरिकों को, राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर, गहराई से सोचना होगा। और शायद आप सभी के लिए यह सोचने का सबसे अच्छा समय अब आ गया है।"चुनाव आयोग ने बताया है कि बिहार में 99% वोटरों को रकफक के तहत वेरिफाई कर लिया गया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि विपक्ष बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में उन्हें किसी भी कीमत पर बच निकलने नहीं देगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं चुनाव आयोग को एक संदेश देना चाहता हूँ: अगर आपको लगता है कि आप बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं। आप बच नहीं पाएँगे, क्योंकि हम आपके पीछे पड़ जाएँगे। लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने के तुरंत बाद, लोकसभा नेता राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा। उन्होंने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। गांधी ने दावा किया कि उनके पास कथित हेराफेरी, जिसमें मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने का काम शामिल है, के 100 प्रतिशत सबूत हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई सबूत पेश नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 50, 60 और 65 वर्ष की आयु के हजारों नए मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया है और 18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र मतदाताओं को सूची से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा, ₹आज हमारे पास 100 प्रतिशत सबूत हैं कि चुनाव आयोग ने कर्नाटक में एक सीट पर धोखाधड़ी की अनुमति दी। जब हम इसे आपको दिखाने का फैसला करते हैं, तो यह 100 प्रतिशत सबूत होता है। हमने सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र को देखा और हमें यह पता चला।

संसद में विपक्ष की नारेबाजी, लोकसभा कार्यवाही सिर्फ 12 मिनट चली इधर

विपक्ष ने गुरुवार को भी बिहार के विरोध में चुनाव आयोग और भाजपा सरकार के खिलाफ संसद में मानसून सत्र के दौरान नारेबाजी की। सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद हंगामा करने लगे। कांग्रेस सहित कई विपक्षी सांसद वेल में आकर पोस्टर लहराने लगे। हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 12 मिनट चल सकी। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही सिर्फ 1:45 मिनट चल पाई। हंगामे के कारण दोनों सदनों का कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की मौजूदगी में साइन हुए; 99% भारतीय सामान ब्रिटेन में टैक्स फ्री

एफटीए के प्रमुख आयाम और चुनौतियाँ देखें तो इसके जरिए भारत को ब्रिटेन के वस्त्र, दवा, आईटी, ऑटो पार्ट्स और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में बेहतर बाजार पहुंच मिलेगी, वहीं ब्रिटेन के लिए भारतीय शिक्षा, कानूनी सेवाओं और शराब के क्षेत्र में प्रवेश के नए अवसर खुलेंगे।

एजेंसी

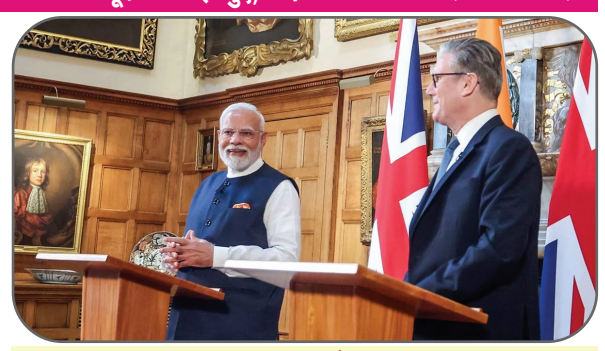

भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो गया है। पीएम मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मौजूदगी में गुरुवार को लंदन में एग्रीमेंट पर दस्तखत हुए। इसे लेकर दोनों देशों के बीच 3 साल से बातचीत चल रही थी। समझौते के बाद नेताओं ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान पीएम मोदी ने समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए खुशी जताई। उन्होंने भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का भी जिक्र किया। मोदी ने कहा कि यूके में रहने वाले भारतीय मूल के लोग हमारे संबंधों में एक लिविंग ब्रिज का काम करते हैं। मोदी ने स्टार्मर को भारत आने का न्योता दिया।

भारत के 99% निर्यात को टैरिफ में राहत मिलेगी

इस समझौते से भारत से ब्रिटेन को होने वाले 99% निर्यात पर टैरिफ यानी आयात शुल्क में राहत मिलेगी। इसका मतलब है कि भारत से जो सामान ब्रिटेन भेजा जाएगा, उस पर लगने वाला टैक्स या तो बहुत कम हो जाएगा या पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। वहीं, ब्रिटेन की कंपनियों के लिए भी यह समझौता फायदेमंद होगा।

सबसे बड़ा व्यापार समझौता

ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन का यह यूरोपियन यूनियन से अलग होने (ब्रेक्जिट) के बाद ब्रिटेन का यह सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच ट्रेड में 34 बिलियन डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है। इससे पहले ब्रिटेन का सबसे बड़ा समझौता ऑस्ट्रेलिया के साथ 2020 में हुआ था, जिसके तहत दोनों देशों के बीच व्यापार में 3.1 बिलियन डॉलर की वृद्धि हो सकती है। ब्रेक्जिट के ब्रिटेन ने अब तक 70 से ज्यादा देशों के साथ ट्रेड डील की है।

अब उन्हें भारत में व्हिस्की, कार और दूसरे उत्पाद बेचने में पहले से ज्यादा आसानी होगी। भारत इन प्रोडक्ट्स पर टैरिफ को घटाकर 15% से 3% करेगा। समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार हर साल करीब 3 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ सकता है।

अनिल अंबानी की कंपनियों पर ईडी की रेड

3000 करोड़ के लोन फ्रॉड का मामला, यस बैंक से लिए पैसों का गलत इस्तेमाल का आरोप

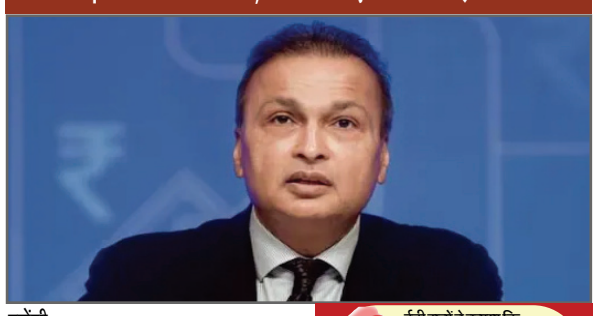

एजेंसी

ईडी सूत्रों ने बताया कि 2017 से 2019 के बीच यस बैंक से लिये लगभग 3,000 करोड़ रुपये के ऋण के गलत इस्तेमाल के आरोपों की जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले, यस बैंक के प्रवर्तकों को उनके संस्थानों में धनराशि प्राप्त हुई थी जो रिश्वत के लेनदेन का संकेत देता है।

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ 3,000 करोड़ रुपये के कथित ऋण घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को एक साथ कई जगह छापेमारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मुंबई और दिल्ली में 35 से अधिक परिसरों की तलाशी ली जा रही है। ये परिसर 50 कंपनियों और लगभग 25 लोगों से जुड़े हैं। यह कार्रवाई ईडी की दिल्ली स्थित जांच इकाई द्वारा की जा रही है। अनिल अंबानी के रिलायंस समूह की ओर से फिलहाल इस संबंध में कोई बयान नहीं आया है। सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी यस बैंक द्वारा रिलायंस अंबानी समूह की कंपनियों को दी गई ऋण स्वीकृतियों में पिछली तारीख के क्रेडिट दस्तावेज, बैंक की क्रेडिट नीति का स्पष्ट उल्लंघन कर बिना किसी उचित जांच या क्रेडिट विश्लेषण के निवेश प्रस्तावित करना जैसे घोर उल्लंघनों के आरोपों की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि कथित तौर पर इन ऋणों को संबंधित संस्थाओं द्वारा समूह की कई कंपनियों और मुखौटा कंपनियों में गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि धनशोधन का यह मामला सीबीआई द्वारा दर्ज कम से कम दो प्राथमिकियों और राष्ट्रीय आवास बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) तथा बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा साझा की गई रिपोर्ट से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार इन रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि बैंकों, शेयरधारकों, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को धोखा देकर जनता के रुपयों का गलत तरीके से इस्तेमाल करने या हड़पना की यह एक पूर्व-नियोजित और सोच-समझी साजिश थी।

वह हर चीज में विवाद पैदा करना चाहती हैं...

ममता बनर्जी पर मिथुन चक्रवर्ती ने साधा निशाना

एजेंसी

भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा और अन्य राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी श्रमिकों पर हमलों के उनके हालिया बयान को निराधार बताया तथा उन पर राजनीतिक लाभ के लिए भय फैलाने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी पर वार करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि वह हर चीज में विवाद पैदा करना चाहती हैं। कुछ नहीं होने वाला।

देश को 23 साल बाद मिली नई सहकारिता नीति

अमित शाह बोले- 2047 तक भारत बनेगा विकसित

एजेंसी

अमित शाह ने कहा कि आज राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का शुभारंभ हुआ है। 2002 में, भारत सरकार ने सहकारिता नीति पेश की थी। उस समय भाजपा की सरकार थी। और आज, 2025 में, भाजपा सरकार द्वारा दूसरी सहकारिता नीति लाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का दृष्टिकोण, जो भारत को, उसके विकास को, और भारत के विकास के लिए आवश्यक सभी कारकों को समझता है, वही सहकारी क्षेत्र को महत्व दे सकता है...यदि देश और अर्थव्यवस्था की मूल इकाई समृद्ध, रोजगारयुक्त और संतुष्ट है, तो वह आर्थिक मॉडल कभी विफल नहीं हो सकता। शाह ने जोर देकर कहा कि सहकारिता नीति बनाते समय इस बात का ध्यान रखा गया कि नीति का केंद्रबिंदु लोग, गाँव, कृषि, गाँव की महिलाएँ, दलित, आदिवासी हों।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को एक नई राष्ट्रीय सहकारी नीति का अनावरण किया, जो पिछले 23 वर्षों से लागू एक नीति का स्थान लेगी। यह उस विभाग के लिए एक और मील का पत्थर साबित होगी जिसकी भूमिका नरेंद्र मोदी सरकार के तहत लगातार बढ़ रही है। सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, नई नीति देश में सहकारिता को मजबूत करने के केंद्र के उद्देश्य का हिस्सा है और 2025-45 तक यानी अगले दो दशकों के लिए भारत के सहकारिता आंदोलन में एक मील का पत्थर साबित होगी। अमित शाह ने कहा कि आज राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का शुभारंभ हुआ है। 2002 में, भारत सरकार ने सहकारिता नीति

हंगामे के भेंट चढ़ा मानसून सत्र का चौथा दिन

लोकसभा-राज्यसभा स्थगित

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को सदन में हंगामा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों को आड़े-हाथों लिया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के संस्कार सदन में नारेबाजी करने, तख्तियां लाने और मेजेंटोंकने के लिए नहीं रहे हैं, लेकिन इस दल के मौजूदा सांसदों का आचरण पूरा देश देख रहा है।

एजेंसी

मानसून सत्र का चौथा दिन भी हंगामे के साथ शुरू हुआ। सदन में विपक्षी सांसदों के हंगामे के बाद लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। सत्र शुरू होने से पहले, विपक्षी सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित अन्य मुद्दों को लेकर संसद के मकर द्वार पर फिर से विरोध प्रदर्शन किया। सत्र के पहले तीन दिन इसी तरह के विरोध प्रदर्शनों के कारण लगभग बिना किसी कार्यवाही के ही बीत गए, जिसके कारण बार-बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और कोई भी महत्वपूर्ण विधायी कार्य नहीं हो सका। आपको बता दें कि विपक्ष ने केंद्र सरकार पर एसआईआर अभ्यास, ऑपरेशन सिंदूर, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम पर बातचीत करने के डोनाल्ड ट्रम्प के बार-बार दावों पर बहस के लिए दबाव बनाना जारी रखा है, साथ ही सत्र के पहले दिन के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर जवाब मांग रहा है।

लोकसभा की कार्यवाही

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

50 मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ आरएसएस चीफ की अहम बैठक

कितनी कारगर होगी मोहन भागवत की पहल?

आरएसएस, अपने संबद्ध संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। 2023 में, एमआरएम ने अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ने और एक राष्ट्र, एक ध्वज, एक राष्ट्रगान की अवधारणा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी अभियान की योजना की घोषणा की है।

एजेंसी

सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने की एक उल्लेखनीय पहल के तहत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आज दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, सह महासचिव कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ नेता रामलाल और इंद्रेश कुमार भी मौजूद थे। समाचार एजेंसी एएनआई के सूत्रों के अनुसार, अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी सहित कई मुस्लिम धार्मिक नेता इस बैठक में भाग लेने वाले थे। आरएसएस, अपने संबद्ध संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है।

राजनीति | गुलाम नबी आजाद बोले- राजनीति अस्थायी है, लेकिन हम...

'हमारे बीच जो भाईचारा था वह अब खत्म हो रहा है'

एजेंसी

आजाद ने कहा कि विकास के लिए, राज्य में प्रगति के लिए, राज्य का दर्जा आवश्यक है। और राज्य का दर्जा कोई हिंदू-मुस्लिम मुद्दा नहीं है, न ही केवल कश्मीरी मुद्दा है। यह हर पार्टी, हर धर्म, हर क्षेत्र को प्रभावित करता है।

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने गुरुवार को खत्म होते भाईचारे पर चिंता व्यक्त की और सभी के राजनीतिक विचारों से परे सभी का सम्मान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आजाद रियासी ज़िले में एक पार्टी कार्यकर्ता के पिता के निधन पर संवेदना व्यक्त करने आए थे। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, ₹मेरा हमेशा से मानना रहा है कि आप जिसे भी जानते हैं, चाहे उसका धर्म या पार्टी कुछ भी हो, उसका सम्मान किया जाना चाहिए। राजनीति अस्थायी है, लेकिन हम पहले इंसान हैं। चाहे हम हिंदू हों, मुसलमान हों या किसी भी पार्टी से हों, जम्मू-कश्मीर में जो भाईचारा पहले था, वह अब खत्म हो रहा है।₹ विभाजनकारी राजनीति को समाप्त करने का आह्वान करते हुए, आजाद ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से एकजुट होकर शांति, सम्मान और सहयोग पर आधारित सामाजिक ताने-बाने का पुनर्निर्माण करने का आग्रह किया। सामूहिक प्रयास से ही यह क्षेत्र स्थिरता और विकास की ओर अग्रसर हो सकता है। अपने दौरे के दौरान, आजाद ने निवासियों की चिंताओं को भी धैर्यपूर्वक सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि उनके मुद्दों को उचित मंचों पर उठाया जाएगा। उनके साथ रियासी जिले के कई वरिष्ठ पार्टी नेता और कार्यकर्ता भी थे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी माँग भी दोहराई और तर्क दिया कि यह क्षेत्र की प्रगति के लिए आवश्यक है। आजाद ने कहा कि विकास के लिए, राज्य में प्रगति के लिए, राज्य का दर्जा आवश्यक है। और राज्य का दर्जा कोई हिंदू-मुस्लिम मुद्दा नहीं है, न ही केवल कश्मीरी मुद्दा है। यह हर पार्टी, हर धर्म, हर क्षेत्र को प्रभावित करता है। चाहे कोई जम्मू में भाजपा से हो या कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस से, या कांग्रेस या पीडीपी से, चाहे हिंदू हो या मुसलमान - राज्य का दर्जा सभी के लिए आवश्यक है। इससे पहले मंगलवार को कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार के खिलाफ ₹जम्मू-कश्मीर के लोगों को धोखा देने₹ और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को पूरा नहीं करने का विरोध किया। कांग्रेस नेता और पार्टी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए कहा कि केंद्र क्षेत्र को राज्य का दर्जा देने के वादे के बाद अपने वादे से मुकर रहा है। वेणुगोपाल ने पार्टी कार्यकर्ताओं की नारेबाजी के बीच कहा कि भारत सरकार जम्मू कश्मीर के लोगों को धोखा दे रही है। उन्होंने पहले ही जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का वादा किया था, जिसे वे पूरा नहीं कर रहे हैं।

पर्दे के पीछे जरूर कुछ हुआ है, उपराष्ट्रपति धनखड़ के इस्तीफे पर बोले सचिन पायलट

एजेंसी

पायलट ने इस बात पर जोर देते हुए कि ऐसी स्थिति में औपचारिक विदाई आम बात है। उन्होंने कहा कि पर्दे के पीछे निश्चित रूप से कुछ ऐसा हुआ है जिसके कारण उन्हें अप्रत्याशित इस्तीफा देना पड़ा। निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा के नेतृत्व में 'भ्रष्टाचार विरोधी' पदयात्रा के बारे में पायलट ने कहा कि सभी को अपने अधिकारों की वकालत करने का अधिकार है।

नयी दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पार्टी महासचिव सचिन पायलट ने गुरुवार को जगदीप धनखड़ के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफे पर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि इसके पीछे कुछ गड़बड़ है। टोंक में पत्रकारों से बात करते हुए पायलट ने कहा कि उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सबसे बड़ा संवैधानिक पद होता है। भाजपा और केंद्र सरकार ने लगातार संवैधानिक पदों और संस्थाओं का दुरुपयोग किया है। पायलट ने इस बात पर जोर देते हुए कि ऐसी स्थिति में औपचारिक विदाई आम बात है। उन्होंने कहा कि पर्दे के पीछे निश्चित रूप से कुछ ऐसा हुआ है जिसके कारण उन्हें अप्रत्याशित इस्तीफा देना पड़ा। निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा के नेतृत्व में 'भ्रष्टाचार विरोधी' पदयात्रा के बारे में पायलट ने कहा कि सभी को अपने अधिकारों की वकालत करने का अधिकार है। मीणा ने पिछले साल टोंक जिले के देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव लड़ा था और एक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को थप्पड़ मारने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। कुछ दिन पहले ही राजस्थान उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत दी थी।

सम्पादकीय

स्वच्छ ऊर्जा में विश्व को राह दिखाता भारत, जल्द हासिल होंगे बड़े लक्ष्य

नवीकरणीय ऊर्जा पर अंतरराष्ट्रीय नीति में भी बदलाव जरूरी है। इसके लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने से लेकर तकनीकी हस्तांतरण की नीति न केवल उदार बनानी होगी बल्कि कई जटिल पहलुओं का भी ध्यान रखना होगा। भारत की सफलता इस मामले में उम्मीद जगाती है। यदि भारत यह लक्ष्य हासिल कर सकता है तो दुनिया भी उस दिशा में आगे बढ़ सकती है।जलवायु परिवर्तन की निरंतर विकराल होती चुनौती के बीच स्वच्छ ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाने को लेकर कोई दुविधा नहीं। इसके बावजूद यह चर्चा जीवाश्म ईंधन और रीन्यूएबल एनर्जी यानी नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर अनावश्यक द्वंद्वों में फंसी है। इसमें ऊर्जा परिदृश्य पर संक्रमण की जटिलता को अनदेखा किया जा रहा है और यह स्थिति ग्लोबल साउथ यानी विकासशील या उभरती हुई अर्थव्यवस्था में अधिक देखने को मिल रही है। आवश्यकता जीवाश्म ईंधनों को पूरी तरह से त्यागने की नहीं, बल्कि उन पर निर्भरता घटाने की एक संतुलित नीति एवं गैर-जीवाश्म ईंधनों में रणनीतिक निवेश बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ने की है। सौर, पवन, जल, परमाणु और जैव ऊर्जा में निवेश इस रणनीति के मूल में होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि बीते एक दशक में सौर एवं पवन ऊर्जा की लागत 80 प्रतिशत से भी अधिक घट गई है। इसके चलते कई क्षेत्रों में सौर-पवन ऊर्जा की लागत कोयले और गैस से बनने वाली बिजली से भी किफायती हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा कीमतों में स्थायित्व प्रदान करने के साथ ही ऊर्जा स्वतंत्रता भी सुनिश्चित करती है। एक बार इंस्टाल होने के बाद उसमें लागत लगभग नगण्य रह जाती है। ये कुछ ऐसे लाभ हैं जिनकी जीवाश्म ईंधन कभी बराबरी कर ही नहीं सकते। ऐसी क्षमताओं से भू-राजनीतिक गतिरोधों से भी सहजतापूर्वक निपटा जा सकता है, क्योंकि ऊर्जा समृद्ध क्षेत्रों में तनाव भड़कने से आपूर्ति शृंखला प्रभावित हो जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका बड़ा उदाहरण रहा। स्वच्छ घरेलू ऊर्जा में निवेश करने वाले देश ऐसी अस्थिरता से बचे रह सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाना इसलिए और अनिवार्य हो गया है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में अकेले जीवाश्म ईंधनों की हिस्सेदारी करीब तीन-चौथाई है। स्पष्ट है कि नवीकरणीय ऊर्जा पर दांव लगाए बिना कार्बन से पीछा छुड़ाना मुश्किल होगा। इतने व्यापक लाभ के बावजूद यह एक तथ्य है कि विकसित देश भी स्वच्छ ऊर्जा के अपने लक्ष्यों की पूर्ति नहीं कर पाए हैं। शुरूआती स्तर पर बढ़त हासिल करने के बाद यूरोपीय संघ के कदम भी इस मोर्चे पर ठिठक गए। इसमें राजनीतिक दबाव, कीमतों को लेकर चिंता और कार्बन नियमनों को लेकर बढ़ते विरोध जैसे पहलू प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं।

आज का विचार

चोरी, निंदा और झूठ, ये तीन बातें चरित्र को नष्ट करती हैं

भारत संवाद

सियासी धड़कनें बढ़ाने वाला इस्तीफा, उठने लगे कई सवाल

दो साल पहले जब धनखड़ उपराष्ट्रपति बने तब कहा गया था कि भाजपा नाराज किसानों खासकर जाट समुदाय को साधना चाहती है। वह चुनावी हित कितना सधा इसका विश्लेषण भाजपा ने अवश्य किया होगा। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि धनखड़ की नई भूमिका क्या होगी और नया उपराष्ट्रपति कौन बनेगा। इसे लेकर भी तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

पा जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति बनने से भी ज्यादा आश्चर्यजनक उनका इस्तीफा है। यह दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद न तो यूं ही किसी को मिल जाता है और न ही कोई इसे ऐसे ही छोड़ देता है। जनता दल से राजनीति शुरू कर कांग्रेस के रास्ते भाजपा में आए धनखड़ का पहले राज्यपाल और फिर उपराष्ट्रपति बनना चौंकाने वाला रहा। उन्होंने मानसून सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना बताया, लेकिन इसे लेकर तमाम तरह की अटकलें हैं। स्वास्थ्य संबंधी कारणों से इस्तीफे की बात लोगों के गले नहीं उतर रही तो उसका कारण नेताओं का पद-मोह भी है। पद तो दूर, स्वेच्छा से राजनीति छोड़ने वाले नेता देश में ज्यादा नहीं हुए। वैसे इसी मार्च में एंजियोप्लास्टी के बाद भी धनखड़ की मुखरता में कोई कमी नहीं आई। चाहे जस्टिस यशवंत वर्मा के घर नकदी बरामदगी का मामला हो या राज्य सरकारों के विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समयसीमा का निर्धारण, हर मुद्दे पर वे खुल कर बोले। संविधान की प्रस्तावना में आपातकाल के दौरान जोड़े गए समाजवाद और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग तथा एक देश-एक चुनाव जैसे राजनीतिक मुद्दों पर भी वे मौन नहीं रहे। धनखड़ के ऐसे बयानों को विपक्षी दलों ने सरकार

और भाजपा के एजेंडे से जोड़कर देखा और दिखाया। धनखड़ सबसे मुखर और शायद विवादास्पद उपराष्ट्रपति रहे। बीच कार्यकाल में संसद सत्र के दौरान इस्तीफा देने वाले पहले उपराष्ट्रपति के साथ ऐसे राज्यसभा सभापति भी हैं, जिनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा हुई।पक्षपातपूर्ण आचरण के आरोप लगाते हुए उनके विरुद्ध पिछले साल दिसंबर में अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी में लगा विपक्ष ही अब उनका गुणगान करते हुए सरकार से सवाल कर रहा है। यह राजनीति का अवसरवादी चरित्र ही है। ऐसे मुखर व्यक्ति के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठना स्वाभाविक है, पर सच प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और खुद जगदीप धनखड़ के अलावा शायद ही कोई जानता हो। विपक्षी खेमे से दो परस्पर विरोधी कहानियों को हवा दी जा रही है। पहली, बिहार को साधने के लिए एक तीर से दो निशाने लगाए गए हैं, नीतीश कुमार को अगला उपराष्ट्रपति बना कर बिहारी अस्मिता के नाम पर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर बिहार में पहला भाजपाई मुख्यमंत्री बनाने का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। दूसरी, मानसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू के व्यवहार से आहत होकर धनखड़ ने इस्तीफा दिया है। यह भी कहा जा रहा कि सोमवार दोपहर बाद हुई कार्य मंत्रणा समिति की दूसरी बैठक में नड्डा और रिजीजू के न आने से धनखड़ खफा हुए।उपराष्ट्रपति होने के नाते वह राज्यसभा के सभापति भी थे और सदन के संरक्षक भी। सदन की कार्यवाही में क्या दर्ज होगा और क्या नहीं, यह तय करना उन्हीं का विशेषाधिकार है। उनके आसन पर आसीन होते हुए भी नड्डा ने जिस अंदाज में विपक्ष को चेताया, उससे शायद धनखड़ ने खुद को आहत महसूस किया। नड्डा ने कहा था कि उनका बोला रिकार्ड में नहीं जाएगा। एक और कहानी धनखड़ द्वारा जस्टिस वर्मा के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव के नोटिस को सरकार से चर्चा किए बिना ही मंजूरी की भी चल रही है।वैसे तो संवेदनाओं के आहत होने का कोई नियत पैमाना नहीं, पर जगदीप धनखड़ की छवि आवेश में फैसले लेने वाले नेता की नहीं रही, वरना जनता दल से सांसद और फिर कांग्रेस से विधायक रहने के बाद भाजपा में आकर उपराष्ट्रपति पद तक नहीं पहुंच पाते। तब क्या धनखड़ के इस्तीफे के पीछे वाकई कोई सुनियोजित रणनीति है? भाजपा की राजनीतिक शैली को देखें तो वहां अनायास ही कुछ नहीं होता। भाजपा अन्य दल से आए नेताओं को आसानी से महत्वपूर्ण पद नहीं देती। इस मामले में हिमंत विस्वा सरमा, सत्यपाल मलिक और धनखड़ सरीखे कम ही अपवाद हैं। पूर्वोत्तर में भाजपा के प्रसार में भूमिका के पुरस्कार स्वरूप पूर्व कांग्रेसी हिमंता अब असम के मुख्यमंत्री हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में धनखड़ का मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से टकराव लगातार सुर्खियों में रहा। उपराष्ट्रपति बनाए जाने को विपक्ष उसी से जोड़कर देखता है, पर इनमें सत्यपाल मलिक ने भाजपा की साख को जितना नुकसान पहुंचाया, उतना तो विरोधी भी नहीं पहुंचा सके। दो साल पहले जब धनखड़ उपराष्ट्रपति बने, तब कहा गया था कि भाजपा नाराज किसानों, खासकर जाट समुदाय को साधना चाहती है। वह चुनावी हित कितना सधा, इसका विश्लेषण भाजपा ने अवश्य किया होगा। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि धनखड़ की नई भूमिका क्या होगी और नया उपराष्ट्रपति कौन बनेगा। इसे लेकर भी तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। यदि उपराष्ट्रपति पद के जरिये चुनावी बिसात ही बिछानी होगी, तो भाजपा दक्षिण भारत के अपने किसी नेता की ताजपोशी चाहेगी, जहां उसकी सत्ता का एकमात्र दुर्ग कर्नाटक भी ढह चुका है। भाजपा की राजनीति, रणनीति और प्रबंधन को अतीत के अनुभव से समझने की कोशिश करें तो निकट भविष्य में कई बड़े परिवर्तन होने हैं। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का अर्से से इंतजार है। आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि संगठन से लेकर मंत्रिमंडल और सत्ता-प्रतिष्ठान में बड़े बदलाव देखने को मिलें।

राशिफल

मेष राशि: करियरः परोपकार में मन लगेगा, लेकिन खुद का काम प्रभावित हो सकता है। बिजनेसः विरोधियों से सावधान रहें, रुकावटें आ सकती हैं। धनः पुराना लेनदेन समय पर न चुकाने पर परेशानी होगी। शिक्षाः ध्यान बंट सकता है, फोकस बनाए रखें। लव/पारिवारिकः जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। उपायः हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाएं।

वृषभ राशि: करियरः कार्यस्थल का माहौल सहयोगात्मक रहेगा। बिजनेसः मेहमानों के आगमन से वातावरण प्रसन्न रहेगा। धनः खर्चों पर नियंत्रण रहेगा। शिक्षाः स्वास्थ्य में सुधार के साथ पढ़ाई में ध्यान लगेगा। लव/पारिवारिकः वैवाहिक जीवन मधुर रहेगा।

मिथुन राशि: करियरः कार्यभार बढ़ेगा, व्यस्तता रहेगी। बिजनेसः संपत्ति से जुड़े मामलों में सतर्कता रखें। धनः धन आगमन के योग हैं, लेकिन खर्च भी रहेंगे। शिक्षाः ध्यान बंट सकता है, मेहनत से सफलता मिलेगी। लव/पारिवारिकः जीवनसाथी नाराज हो सकता है। उपायः दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

कर्क राशि: करियरः आर्थिक रूप से दिन बेहतर रहेगा। बिजनेसः सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। धनः अचानक लाभ संभव है। शिक्षाः पारिवारिक निर्णयों में भावुकता से बचें।लव/पारिवारिकः जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।उपायः शिव जी को जल अर्पित करें।

सिंह राशि: करियरः कार्यों में सफलता मिलेगी, लेकिन थकान हो सकती है। बिजनेसः निवेश में सतर्क रहें, पैसा फंस सकता है। धनः रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। शिक्षाः छात्र बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।लव/पारिवारिकः पुराना मित्र मिलने आ सकता है।

कन्या राशि: करियरः रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी। बिजनेसः उधार दिया पैसा वापस मिल सकता है।धनः क्रोध पर संयम रखें, नुकसान से बचेंगे।शिक्षाः छात्रों को शिक्षा पर पूरा ध्यान देना होगा। लव/पारिवारिकः प्रेम संबंधों में मतभेद हो सकते हैं।उपायः गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें।

तुला राशि : करियरः जीवनसाथी के सहयोग से कार्य पूरे होंगे।बिजनेसः नई आमदनी के स्रोत मिल सकते हैं।धनः रुके हुए कार्य आज पूरे हो सकते हैंशिक्षाः पढ़ाई में कुछ उतार-चढ़ाव रहेगा।लव/ पारिवारिकः पारिवारिक सहयोग बना रहेगा, यात्रा के योग हैं। उपायः मां दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं।

वृश्चिक राशि: करियरः आय में वृद्धि होगी, लेकिन स्वास्थ्य पर ध्यान दें।बिजनेसः प्रभावशाली लोगों से मुलाकात फायदेमंद रहेगी। धनः पुराने कर्ज चुकाने में सफलता मिलेगी। शिक्षाः शिक्षण से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है।

धनु राशि: करियरः कानूनी मामलों में जीत के योग हैं। बिजनेसः घरेलू वस्तुओं पर खर्च संभव है।धनः विरोधियों से सतर्क रहें, आर्थिक नुकसान से बचें। शिक्षाः मेहनत से अच्छे परिणाम मिलेंगे।लव/ पारिवारिकः मतभेद हो सकते हैं, धैर्य से काम लें। उपायः हनुमान चालीसा का पाठ करें।

मकर राशि: करियरः जिम्मेदारियां पूरी होंगी, कार्य में सफलता मिलेगी।बिजनेसः प्रॉपर्टी से लाभ संभव है।धनः अचानक खर्च बढ़ सकते हैं।शिक्षाः एकाग्रता बनी रहेगी, रिजल्ट अच्छे आएंगे। लव/ पारिवारिकः मांगलिक कार्य के योग हैं, पारिवारिक आनंद रहेगा।उपायः शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाएं।

कुंभ राशि: करियरः स्वास्थ्य कारणों से व्यस्तता बनी रहेगी।बिजनेसः संपत्ति के लेन-देन में सावधानी रखें।बजट गड़बड़ा सकता है, खर्चे संभालें।शिक्षाः पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें।

मीन राशि : करियरः अटकी हुई डील फाइनल हो सकती है।बिजनेसः योजनाएं सफल होंगी, लाभ के योग हैं।धनः महत्वपूर्ण सूचना से आर्थिक लाभ संभव। शिक्षाः छात्रों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

ललित गर्ग

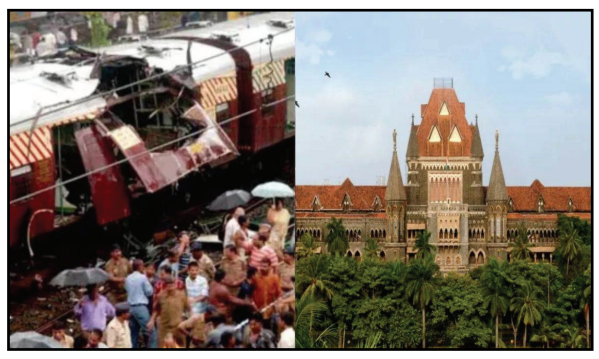

11 जुलाई 2006 को मुंबई की भीड़भरी लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। पीडित परिवारों के साथ-साथ जन-जन को आहत किया था। 7 जगहों पर हुए इन धमाकों में 187 निर्दोष लोगों की जान गई और 824 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भारत के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था। लेकिन इन बम धमाके को लेकर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया, कोर्ट ने विशेष मकोका अदालत की ओर से 12 अभियुक्तों को दी गई सजा को गैरकानूनी करार दिया। इन सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ-साथ चिन्ता भी पैदा करता है। इसीलिये करीब 19 साल बाद आए अदालत के इस फैसले को लेकर न केवल कानूनी दायरे में, बल्कि सामाजिक व नैतिक दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

लम्बी न्यायिक प्रक्रिया एवं जांच के बाद 2015 में मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने 12 अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जिसमें से 5 को फांसी और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला लगभग 8 वर्षों की सुनवाई, 250 से ज्यादा गवाहों और हजारों पन्नों की गवाही के बाद आया। लेकिन 2023 और फिर 2025 में कुछ सिविल सोसाइटी संगठनों, मानवाधिकार समूहों और कुछ कानूनी विशेषज्ञों ने फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया, पुलिस की जांच पक्षपातपूर्ण रही और कई जगह कानून के दायरे का अतिक्रमण किया गया। इसी को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ायी, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर एवं लापरवाहीपूर्ण जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही एवं कौताही बरती गई।

कानून की दृष्टि में अपराध केवल घटना नहीं, उस घटना के पीछे की मंशा, सबूतों की पुष्टि, प्रक्रिया की शुद्धता और निष्पक्षता का भी मूल्यांकन करता है। ह्नदोषी को सजा मिलनी चाहिएह्न-यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है, लेकिन ह्ननिर्दोष को दंड न मिलेह्न-यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। भारतीय दंड संहिता, मकोका और गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे सख्त कानून आतंकवाद से निपटने के लिए बनाए गए, लेकिन इनका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रभाव, मीडिया ट्रायल, या जनभावनाओं को शांत करने के लिए किया गया है। ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में अनेक ज्वलंत सवाल खड़े हुए हैं कि क्या सभी दोषियों को वास्तव में पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दोषी ठहराया गया है? यदि नहीं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए एक गंभीर प्रश्न है। क्या पुलिस या जांच एजेंसियों ने निष्पक्ष जांच की? कई बार जांच एजेंसियों पर ह्यनतीजे पहले, जांच बाद मेंह्न का आरोप लगा है। क्या विशेष अदालतों का गठन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करता है या त्वरित दंड की नीति अपनाता है? क्या कानून केवल सख्ती का पर्याय बन गया है या उसमें मानवीय संवेदना का स्थान है? क्या मीडिया ट्रायल ने वास्तविक न्याय को प्रभावित किया? इन प्रश्नों के उत्तर मिलना ही चाहिए।देश के सामने आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चुनौती है, तो वहीं न्याय की नैतिकता बनाए रखने की भी जिम्मेदारी है। अगर कानून का इस्तेमाल अन्याय के लिए किया गया, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग की नैतिकता ही सवालों में पड़ जाएगी। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि नैतिक और विधिसम्मत संतुलन का नाम है। जो निर्दोष है, उसे दोषमुक्त करना और जो दोषी है, उसे यथोचित दंड देना- यही कानून का आदर्श उद्देश्य है। मुंबई बम धमाके जैसी वीभत्स घटनाएं देश के लिए चुनौती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के नाम पर अगर हम न्याय और कानून के मूलभूत सिद्धांतों से समझौता करते हैं, तो हम एक असुरक्षित और अन्यायपूर्ण समाज की नींव रखेंगे। आवश्यक है कि न्याय केवल न्यायालयों की प्रक्रिया न रहे, वह जनविश्वास का प्रतीक बने।

एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें निचली अदालतों में दिये गये मौत की सजा को ऊपरी अदालतों ने बदल दिया। जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज होते हुए बार-बार देखे गये हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए कहा कि ह्यजब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए ह्न दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना न केवल न्याय प्रक्रिया पर बल्कि जांच एजेंसियों पर सवाल पैदा करता है। प्रश्न है कि अगर 12 लोग निर्दोष थे तो इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी क्यों जीते रहे? अगर ये दोषी थे तो जांच इतनी कमजोर क्यों हुई? यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है।यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। अब मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।

विकास की अवधारणा और अशिक्षा और अंधविश्वास

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में विज्ञान और टेक्नोलॉजी से शिक्षित जनमानस भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का अंधभक्त और अनुयाई हो गया है। अंधविश्वास का आलम भारत में नहीं ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा,रूस, इसराइल और तमाम अन्य यूरोपीय देशों में व्याप्त है। अमेरिका तथा ब्रिटेन में 13 नंबर को अत्यंत अशुभ माना जाता है। भारत में यदि बिल्ली रास्ता काट जाए तो व्यक्ति उस तरफ न जाकर दूसरे रास्ते से जाना पसंद करता है। मकान में वास्तु दोष दूर करने के लिए अनावश्यक तोड़फोड़ और सुधार के लिए लाखों खर्च किए जाते हैं। यह अंधविश्वास का एक जीता जागता प्रमाण है। वास्तु दोष तथा अंधविश्वास को मानने वाले 90% शिक्षित युवा इस मकड़ जाल में फंसे हुए हैं। अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है ह्न यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात है ह्न यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है ह्न

शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जो पद्धति आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता है ह्न उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक है ह्न शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएह्न बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राज्य के किसानों के हितों में संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक की

औद्यानिक उपज के निर्यात और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्राथमिकता

- प्रदेश में फूलों, फलों एवं शहद के लिए सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस होंगे स्थापित पर ब्लॉक वन क्राप कार्यक्रम हेतु सभी जिलों में किसानों के साथ बैठके की जाए

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने आज उद्यान विभाग की राज्य के किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कार्यों की समीक्षा हेतु प्रदेश के सभी जिलों तथा मण्डल के उद्यान अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। उन्होंने औद्यानिक गतिविधियों के विस्तार एवं विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बजट के समुचित उपयोग एवं कृषकों तक लाभ पहुंचाने की दिशा में किये जाने वाले प्रयासों तथा राष्ट्रीय औसत के अनुसार लक्ष्य प्राप्त करने के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए।उद्यान मंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि उद्यानिकी क्षेत्र में नवाचार व तकनीक के बेहतर प्रयोग से किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। इसके लिए चल रही सभी योजनाओं का समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी योजना में लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। बैठक में विभागीय बजट व्यय की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि प्राप्त धनराशि का उपयोग निर्धारित अवधि में सुनिश्चित किया जाए, जिससे योजनाओं का लाभ जमीन स्तर तक पहुंचे।

एआईएमआईएम का करणी सेना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

असदउद्दीन ओवैसी, इकरा हसन पर अभद्र टिप्पणी के बाद सड़क पर उतरे, सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद

प्रयागराज, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रयागराज इकाई द्वारा आज एक अहम कदम उठाते हुए महामहिम राष्ट्रपति महोदया को जिलाधिकारी प्रयागराज के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन करणी सेना के नेता ठाकुर योगेन्द्र सिंह राणा द्वारा सोशल मीडिया पर दिए गए एक वीडियो बयान के विरोध में प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने एआईएमआईएम प्रमुख व हैदराबाद से सांसद बैरिस्टर असदउद्दीन ओवैसी, विधायक अकबरउद्दीन ओवैसी और महिला सांसद इकरा हसन के प्रति अभद्र व अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है। एआईएमआईएम प्रयागराज महानगर अध्यक्ष अफसर महमूद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और इस घटना पर गहरी आपत्ति जताई। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि उक्त वीडियो से समाज में वैमनस्य फैलाने, आपसी सौहार्द बिगाड़ने और माननीय सांसदों की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया है, जो कि न केवल निंदनीय है बल्कि कानूनन दंडनीय भी है। अफसर महमूद ने राष्ट्रपति से अपील करते हुए कहा कि ऐसी बयानबाजी न केवल सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी कुठाराघात है। उन्होंने माँग की कि करणी सेना नेता ठाकुर योगेन्द्र सिंह राणा के खिलाफ तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करने से पहले सौ बार सोचे। इस मौके पर मा० भुन्तजर प्रदेश सयुक्त सचिव अलीशेर खांन, शौकत अली (जिलाध्यक्ष यमुनापार), जिलाध्यक्ष गंगापार सहित एआईएमआईएम के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार सुबह 11 बजे जिलाधिकारी कार्यालय पर किया गया। एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने एक सुर में इस बयान की निंदा की और कहा कि पार्टी हमेशा लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से अपने नेताओं के सम्मान और समाज की एकता के लिए संघर्ष करती रहेगी।

फास्ट ट्रैक

थाना लालगंज पुलिस द्वारा आत्म हत्या के लिये प्रेरित करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना लालगंज जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 10.07.2025 को वादी दशमथ यादव पुत्र स्व0 रंगू यादव निवासी ग्राम गोपला, हनुमना, जनपद रीवा, मध्य प्रदेश द्वारा नामजद अभियुक्त (पति) के विरूद्ध वादी की पुत्री को आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई, ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-268/2025 धारा 108 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थानाध्यक्ष लालगंज को निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 24.07.2025 को उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त सोनू यादव पुत्र बब्लू यादव उर्फ रामखेलाड़ी निवासी बारीपुर कल्लूमल थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना जमालपुर पुलिस द्वारा 06 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जमालपुर पुलिस द्वारा 06 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः24.07.2025 को उप निरीक्षक मो0 नसीम खां पुलिस टीम द्वारा 06 नफर वारण्टी 1. मकसूद पुत्र अयुब, 2. मु0 अयुब पुत्र सफीउल्ला, 3. मुस्तकिम पुत्र मु0 अयुब, 4. रूसे वियार पुत्र दाउ वियार, 5. हेटलर उर्फ हिटलर वियार पुत्र दाऊ वियार व 6. जैपान वियार पुत्र दाऊ वियार निवासीगण मठना थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना को0शहर पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0शहर पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः24.07.2025 को उप निरीक्षक छोटेलाल पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी गोपाल जी गुप्ता उर्फ गुड्डू पुत्र सुरेश चन्द्र गुप्ता निवासी थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

मीरजापुर , मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मण्डलीय अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, मण्डलीय कार्यकम/लेखा प्रबन्धक एवं अन्य मण्डलीय टीम के साथ मण्डल के समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकरी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यकम अधिकारी, आई0सी0डी0एस0 तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहें। समीक्षा बैठक का आरम्भ विगत बैठक में दिये गये निदेर्शों के अनुपालन पर चर्चा से की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से आच्छादित विभिन्न कार्यक्रमों जैसे वित्तीय प्रगति समीक्षा, एच0एम0आई0एस0 कार्यक्रम की समीक्षा, आर0सी0एच0 कार्यकम की समीक्षा, कम्युनिटी प्रोसेस कार्यक्रम की समीक्षा, शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम की समीक्षा, क्वालिटी एश्योरेंश कार्यकम, राष्ट्रीय क्षयरोग कार्यकम, के उपलब्धियों की समीक्षा के साथ ही यूनिसेफ एवं अन्य सहयोगी संस्था समर्थित कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। मण्डलायुक्त द्वारा समस्त कार्यक्रमों की गहन समीक्षा करते हुए, कम प्रगति वाले बिन्दुओं पर अप्रसन्नता करते हुए, 15 दिवस में सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। श्रावण माह में त्यौहारो/कांवरिया श्रद्धालुओं के दृष्टिगत मण्डलायुक्त द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि समस्त चिकित्सा इकाईयों पर जीवन रक्षक औषधियों, उपकरणों आदि की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। साथ ही यह निर्देश भी दिये गये

जनशिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं

मण्डलायुक्त ने तीन वर्ष एवं पांच वर्ष से अधिक लम्बित राजस्व वादों का शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के दिए निर्देश

- मण्डलायुक्त ने अत्यधिक संख्या में खराब फीडबैक की रिपोर्ट एवं कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर उप निदेशक पंचायत एवं अधीक्षण अभियंता जल निगम ग्रामीण से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिए निर्देश
- डायबिटीज एवं बीपी की जांच निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कम पाये जाने पर सम्बंधित सीएचओ के प्रोत्साहन राशि के भुगतान को रोके जाने का दिया निर्देश

भारत संवाद

मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत गुरूवार को ऑनलाइन माध्यम से आईजीआरएस, एवं योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रगति की मण्डलीय समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा है कि लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। आईजीआरएस की समीक्षा में अत्यधिक संख्या में फीडबैक की रिपोर्ट खराब पाये जाने एवं कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर उप निदेशक पंचायत एवं अधीक्षण अभियंता जल निगम ग्रामीण को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही साथ यह भी हिदायत दी है कि स्पष्टीकरण संतोषजनक न पाये जाने पर वेतन अवरूद्ध किए जाने सहित अन्य कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। अधीक्षण अभियंता जल निगम के द्वारा फूलपुर के सैदाबाद में पाइपलाइन के लीकेज को ठीक न कराने एवं हण्डिया में नई पाइप लाइन बिछाये जाने से सम्बंधित कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए लीकेज ठीक न होने तक वेतन आहरण पर रोक लगाये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को जनशिकायतों का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने एवं शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिए जाने के लिए निर्देशित किया है।मण्डलायुक्त ने राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए कहा कि तीन वर्ष एवं पांच वर्ष से अधिक लम्बित वादों का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकता पर सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने धारा-34, 35 से सम्बंधित प्रकरणों को निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। कहा कि मुकदमों का निस्तारण मेरिट के आधार पर किया जाये।

ग्रामीण सड़कों के नवीनीकरण में वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्मित सड़कों के अनुरक्षण कार्यो में वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग कर पर्यावरण को किया जा रहा है संरक्षित

- क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक करने में वेस्ट प्लास्टिक का किया जा रहा है ,उपयोग
- पीएमजीएसवाई की सड़कों के नवीनीकरण में वेस्ट प्लास्टिक के उपयोग से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में आ रही कमी
- 605.79 किमी० का कार्य पूर्ण कराते हुये 690 टन सिविल यूज वेस्ट प्लास्टिक का किया गया उपयोग

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों के नवीनीकरण यानी क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक करने में सिंगल यूज्ड वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग कर जहां सड़कों को जनता के लिए सुगम व सरल यातायात के लिए उपयोगी बनाया जा ? रहा है, वहीं वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग करके पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश में सड़को के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सड़कों की गुणवत्ता और टिकाऊपन को बढ़ाने के लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है ।पी एम जी एस वाई के तहत ग्रामीण सड़कों केनवीनीकरण/ अनुरक्षण कार्यों में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी किये जाने के उद्देश्य से में 04 नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है ।इन 04 तकनीकों में वेस्ट प्लास्टिक के उपयोग के साथ बिटुमिनस कॉन्क्रीट का कार्य प्रदेश के 35 जनपदों में 171 मार्गों, लम्बाई 1121.383 किमी० में रिन्यूवल (नवीनीकरण) कार्य सम्पादित हो रहा है, जिसमें अद्यतन 605.79 किमी० का कार्य पूर्ण कराते हुये 690 टन वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग कराकर पर्यावरण को संरक्षित किया गया है ।उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के सीईओ श्री अखण्ड प्रताप सिंह ने बताया कि उ०प्र० ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण द्वारा ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के स्तर से प्रदेश को प्राप्त प्रोत्साहन धनराशि (इन्सेन्टिव मनी) से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्मित पोस्ट डी०एल०पी० के 306 मार्गों, लम्बाई 1911.30 किमी0 पर ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी किये जाने के परिपेक्ष्य में 04 नई तकनीकों यथा - 30 एमएम मोटाई में सी०जी०बी०एम० तकनीक, 30 एमएम मोटाई में कोल्ड मिक्स के साथ बिटुमिनस कॉन्क्रीट ,30 एमएम मोटाई में एमएसएस तकनीक एवं 30एमएम मोटाई में वेस्ट प्लास्टिक के साथ बिटुमिनस कॉन्क्रीट के प्रयोग के साथ रिन्यूवल कार्य उप मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन मे ? सम्पादित कराया जा रहा है ।राज्य ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण में राज्य गुणवत्तायुक्त समन्वयक श्री बी के दुबे व राज्य तकनीकी अधिकारी श्री डी डी पाठक ने बताया कि इन तकनीकों से रिन्यूवल का कार्य कराकर ग्रीन हाउस गैस उर्त्सजन में अत्यधिक कमी करते हुये अभिकरण द्वारा वेस्ट प्लास्टिक का भी उपयोग कर पर्यावरण को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। नवीनीकरण कार्य के बाद सड़क की सतह चिकनी और सुरक्षित हो जाती है ।नवीनीकरण कार्य के बाद सड़क अधिक समय तक चलती है।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में अटल आवासीय विद्यालय, प्रयागराज की मण्डल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

भारत संवाद

मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गुरुवार को अटल आवासीय विद्यालय, प्रयागराज की मण्डल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक त्रिवेणी कक्ष, आयुक्त कार्यालय में सम्पन्न हुयी। बैठक में अटल आवासीय विद्यालय, प्रयागराज के संचालन हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। सर्वप्रथम समिति द्वारा विद्यालय को जोड़ने वाली निमार्णाधीन मुख्य सड़क को शीघ्र ही पूर्ण किये जाने तथा सड़क की गुणवत्ता गानक अनुसार पूर्ण रूप से करने तथा दिनांकः 31/07/2025 तक सड़क की गुणवत्ता परीक्षण करने के निर्देश दिये गये ।समिति द्वारा प्रधानाचार्य को वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा-10 में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को कक्षा-10 की बोर्ड परिक्षाओं हेतु विशेष कोर्स के माध्यम से तैयारी किये जाने एवं समस्त कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं हेतु साफ्टवेयर के माध्यम से पढ़ाई कराये जाने पर निर्देश दिये गये। कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को बोर्ड की परीक्षा की तैयारी हेतु अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने एवं कमजोर छात्रों को पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये। समिति द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज को निर्देशित किया गया कि विद्यालय के अध्यापकों की काउंसिलिंग करने एवं परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत प्राप्त कराने के निर्देश दिये गये। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा प्रधानाचार्य को बच्चों की शिक्षा में गुणवत्ता और बेहतर करने के निर्देश दिये गये। समिति द्वारा छात्र/छात्राओं को उनके गत परीक्षा में परिणाम के अनुसार श्रेणीवार करते हुये प्रत्येक छात्र/छात्राओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये। विद्यालय में रिक्त शिक्षकों के पदों को शीघ्रातिशीघ्र भरने के निर्देश दिये गये। विद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र/छात्राओं को समय-समय पर काउन्सलर के माध्यम से काउंसिलिंग कराये जाने के निर्देश दिये गये। विद्यालय को जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत पाइपलाइन को विद्यालय में यथाशीघ्र जोड़ने के निर्देश दिये गये ।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज, उप श्रम आयुक्त, प्रयागराज, सहायक श्रमायुक्त, प्रयागराज, जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग खण्ड-1, अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड मेजा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में अटल आवासीय विद्यालय, प्रयागराज की मण्डल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

भारत संवाद

मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गुरुवार को अटल आवासीय विद्यालय, प्रयागराज की मण्डल स्तरीय अनुश्रवण समितिर की बैठक त्रिवेणी कक्ष, आयुक्त कार्यालय में सम्पन्न हुयी। बैठक में अटल आवासीय विद्यालय, प्रयागराज के संचालन हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी ।सर्वप्रथम समिति द्वारा विद्यालय को जोड़ने वाली निमार्णाधीन मुख्य सड़क को शीघ्र ही पूर्ण किये जाने तथा सड़क की गुणवत्ता गानक अनुसार पूर्ण रूप से करने तथा दिनांकः 31/07/2025 तक सड़क की गुणवत्ता परीक्षण करने के निर्देश दिये गये ।समिति द्वारा प्रधानाचार्य को वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा-10 में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को कक्षा-10 की बोर्ड परिक्षाओं हेतु विशेष कोर्स के माध्यम से तैयारी किये जाने एवं समस्त कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं हेतु साफ्टवेयर के माध्यम से पढ़ाई कराये जाने पर निर्देश दिये गये। कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को बोर्ड की परीक्षा की तैयारी हेतु अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने एवं कमजोर छात्रों को पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये। समिति द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज को निर्देशित किया गया कि विद्यालय के अध्यापकों की काउंसिलिंग करने एवं परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत प्राप्त कराने के निर्देश दिये गये। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा प्रधानाचार्य को बच्चों की शिक्षा में गुणवत्ता और बेहतर करने के निर्देश दिये गये।

रेलवे सुरक्षा बल/कानपुर ने 02 चोरित मोबाइल के साथ 2 चोरों को किया गिरफ्तार

भारत संवाद

रेलवे सुरक्षा बल/कानपुर ने ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्री सामान की चोरी करने वाले 02 शातिर आरोपियों को 02 चोरित स्मार्ट मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया ।रेलवे सुरक्षा बल/कानपुर सेन्ट्रल के प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में रेलवे सुरक्षा बल, सीआईबी एवं राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाये गए चेकिंग अभियान के दौरान खपरा मोहाल, रेल बाजार, कानपुर नगर के 02 शातिर मोबाइल चोर मोहम्मद समीर, उम्र 20 वर्ष, एवं आदिल अंसारी, उम्र 20 वर्ष को रेल यात्रियों से चोरित 2 स्मार्ट मोबाइल फोन के साथ 02.30 बजे मरी कंपनी पुल पास रेलवे लाइन के निकट से पकड़ा गया ।अभियुक्तों से लगभग एक लाख रुपये कीमत के मोटरोला एवं रेडमी ब्रांड के 2 मोबाइल फोन बरामद किए गए । रेलवे सुरक्षा बल द्वारा पूछताछ करने पर आरोपियों ने उक्त मोबाइलों को 02 माह पूर्व कानपुर सेंट्रल स्टेशन से गुजरने वाली गाड़ियों से चोरी करना बताया ।इस अभियान में रेलवे सुरक्षा बल/कानपुर सेन्ट्रल के सहायक उप निरीक्षक, सीपी सिंह; कांस्टेबल, नगेंद्र मौर्या; कांस्टेबल, शैलेश कुमार एवं राजकीय रेलवे पुलिस/कानपुर सेन्ट्रल के उप निरीक्षक, आशीष कुमार बौद्ध; उप निरीक्षक, मोहित कुमार ने मिलकर कार्य किया ।

सनातन संकल्प

हरियाली अमावस्या एक पर्व भी और प्रकृति संरक्षण की एक परंपरा भी

हरियाली अमावस्या, पर्यावरण संरक्षण का सनातन संकल्प

भारत संवाद

- अमावस्या, आध्यात्मिक दृष्टि से आत्मचिंतन का समय
- प्रकृति, प्राण और परंपरा का त्रिवेणी संगम हरियाली अमावस्या
- वृक्ष, मौन ऋषियों की तरह : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने आज हरियाली अमावस्या के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की सनातन परंपरा का संदेश देते हुये कहा कि यह पर्व न केवल भारतीय संस्कृति की आत्मा को अभिव्यक्त करता है, बल्कि आज की वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों का भी उत्तर है।

स्वामी जी ने कहा कि आज जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान में वृद्धि और प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, ऐसे समय में हमारी सनातन संस्कृति की परंपराएँ इन संकटों से उबरने का आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक समाधान प्रस्तुत करती हैं ।हरियाली अमावस्या केवल पौधारोपण का पर्व नहीं है, यह एक चेतना है, प्रकृति, प्राण और परंपरा को जोड़ने की। भारतीय संस्कृति में वृक्षों को केवल ऑक्सीजन उत्पादक या पर्यावरण के घटक के रूप में नहीं देखा गया, बल्कि उन्हें वृक्ष देवता के रूप में पूजा जाता है। पीपल, वटवृक्ष, नीम, तुलसी जैसे पौधे भारतीय जनमानस में पूजनीय हैं ।स्वामी जी ने कहा, भारत ने कभी वृक्षों को कार्बन एसेट नहीं माना, बल्कि जीवित देवता के रूप में वंदित किया है। यही दृष्टिकोण पर्यावरणीय संकट से उबरने का मूलमंत्र है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि, वृक्ष मौन ऋषि के समान होते हैं। वे केवल देते हैं, कभी शिकायत नहीं करते, छाया देते हैं, फल देते हैं, पर अपेक्षा नहीं करते। आज हमें वृक्षों से सीखने की आवश्यकता है, सेवा करना, सहना और फिर भी मुस्कुराना हमें वृक्ष ही बताते है।

अमावस्या, जहाँ एक ओर चंद्रमा के अदृश्य होने का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर यह अंधकार से प्रकाश की ओर यात्रा का भी संकेत देती है ।स्वामी जी ने कहा कि हरियाली अमावस्या आत्मचिंतन का समय है, अपने भीतर झाँकने का, अपनी जीवनशैली की समीक्षा करने का और प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों को पहचानने का अवसर भी हमें देती है।

स्वामी जी ने कहा कि आज जब विश्व के विकसित देश क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, परन्तु भारत ने अपनी ऋषि परंपरा के माध्यम से पहले से ही समाधान दिये है। हमारे यज्ञ, हमारे उपवन, हमारी परंपराएँ ये सब सतत विकास और संतुलन के प्रतीक हैं। पश्चिम जहाँ अब जाकर ग्रीन बनने की बात कर रहा है, भारत सदियों से हरियाली को जीवन का मूल मानकर चल रहा है ।स्वामी जी ने कहा, हमारी संस्कृति में हर पर्व का एक आध्यात्मिक, सामाजिक और पर्यावरणीय उद्देश्य होता है। हरियाली अमावस्या इसका सुंदर उदाहरण है। आज आवश्यकता है कि हम इस पर्व को केवल रस्म के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना और वैश्विक समाधान के रूप में अपनाएँ। तभी हम आने वाली पीढ़ियों को एक हरा-भरा, समृद्ध और शांत धरती दे पाएँगे।

अश्विनी वैष्णव ने पत्र लिख कर दी जानकारी, पटना से चलाई गई हैं 17 नई ट्रेनें

भारत संवाद

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद गिरधारी यादव को पत्र लिखकर जानकारी दी है कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार के रेलवे नेटवर्क का अभूतपूर्व विकास हुआ है। वर्ष 2014 के बाद यहां लगभग 1,900 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण हुआ। 2025-26 में राज्य को रिकॉर्ड 10,066 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया।

बिहार में 13 वंदे भारत एक्सप्रेस, 5 अमृत भारत एक्सप्रेस और एक नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन प्रारंभ किया गया है। साथ ही मोदी जी की सरकार ने 2014 के बाद पटना से दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई के लिए 17 ट्रेनें चलाई हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गिरधारी यादव को लिखे गए पत्र में उन ट्रेनों की सूची की संलग्न की है, जिनका परिचालन पटना से होता है। इन ट्रेनों में शामिल हैं।

1. सहरसा आनंद विहार एक्सप्रेस (15529/15530)
2. मालदा टाउन आनंद विहार एक्सप्रेस (13429/13430)
3. पटना बैंगलोर प्रीमियम एक्सप्रेस (22353/22354)
4. जयनगर लोकमान्य तिलक जनसाधारण एक्सप्रेस (15547/15548)
5. नाहरलगुन नई दिल्ली एक्सप्रेस (22411/22412)
6. पटना मुंबई सीएसटीएम सुविधा एसी एक्सप्रेस (22355/22356)
7. अगरतला आनंद विहार एक्सप्रेस (14019/14020)
8. पटना बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस (22913/22914)
9. अगरतला आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस (20501/20502)
10. मधुपुर आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस (12235/12236)
11. पटना बनासवाड़ी हमसफर एक्सप्रेस (22353/22354)
12. आनंद विहार मधुपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22465/22466)
13. आनंद विहार मधुपुर हमसफर एक्सप्रेस (22459/22460)
14. गोड्डा लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस (22311/22312)
15. लोकमान्य तिलक सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस (11015/11016)
16. राजेंद्र नगर नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस (22361/22362)
17. बापूधाम मोतिहारी आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस (15567/15568)

शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष से सकुशल वापसी के अवसर पर की गयी पूजा अर्चना

भारत संवाद

आज दिनांक 24 जुलाई को अपने सुपुत्र श्री शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष से सकुशल वापसी के अवसर पर उनके पूज्य पिता श्री शंभू दयाल शुक्ला , माता श्रीमती आशा शुक्ला जी एवं बहन शुभी शुक्ला द्वारा श्री हनुमंत धाम मंदिर 40 राणा प्रताप मार्ग लखनऊ में पूजा अर्चना की गयी। मंदिर मुख्य पुजारी महत राम सेवक जी एवं शरद मिश्रा जी द्वारा मंदिर में पूजा अर्चना कराई गई ।एक पहल मुस्कराहट की संस्थापक डॉ॰ अंजू वार्ष्णेय द्वारा रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया गया जिसको सुधांशु शुक्ला की सकुशल वापसी के उपलक्ष्य उनके मातापिता रोपित करेंगे ।पूजा अर्चना के अवसर पर बहराइच सरकारी समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र त्रिपाठी जी द्वारा शुभांशु शुक्ला जी के माता पिता का सम्मान हनुमानजी के चित्र देकर किया गया । इस अवसर पर दिनेश कुमार शुक्ला जी, अल्का शुक्ला जी एवं अन्य सभी उपस्थित थे

सेवा, भक्ति, समर्पण श्री कैलाश धाम शिव कांवड़ सेवा शिविर का मुख्य उद्देश्यः ललित पोपली

भारत संवाद

सहारनपुर। सावन माह की पावन बेला में सहारनपुर जनपद में कांवड़ियों की सेवा हेतु विभिन्न संगठन और समाजसेवी शिविरों का आयोजन करते हैं। इन्हीं में एक विशेष शिविर श्री कैलाश धाम शिव कांवड़ सेवा शिविर अपनी अनूठी व्यवस्था और सेवा भावना के लिए विशेष पहचान बनाए हुए है ।शिविर की जानकारी देते हुए वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रमुख व्यवसायी ललित पोपली ने बताया कि यह शिविर कांवड़ यात्रा की शुरूआत के साथ प्रारंभ हुआ था और आज डाक कांवड़ के आगमन के साथ इसका समापन किया जा रहा है ।शिविर में कांवड़ियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाती हैं जैसे विश्राम व रात्रि निवास के लिए सुरक्षित स्थल, शुद्ध भोजन और मिष्ठान्न, स्नान व स्वच्छता की पूर्ण व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा और मेडिकल सुविधा, दिनभर भक्ति संगीत और भोलेनाथ के भजन, जिस पर थकान भूलकर कांवड़िए जमकर झूमते हैं ।वर्षों की सेवा परंपराश्री कैलाश धाम शिव कांवड़ सेवा शिविर के सेवादारों ने जानकारी दी कि यह शिविर पिछले कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से संचालित किया जा रहा है। समिति के सदस्य कांवड़ियों की सेवा को भोलेनाथ की सेवा मानते हैं और जब तक जीवन है, सेवा को इसी श्रद्धा से करते रहने का संकल्प दोहराते हैं।

सबसे अधिक भीड़ वाला शिविर

ललित पोपली ने बताया कि शिविर में जहां सबसे अधिक कांवड़िए रुकते हैं। सेवा, सुरक्षा और स्नेह की त्रिवेणी इस शिविर को कांवड़ियों का पहला और आखिरी पड़ाव बना देती है।

धूमधाम से मनाया तीजोत्सव

भारत संवाद

सहारनपुर। वैश्य अग्र महिला समिति, सहारनपुर द्वारा हरियाली तीज के उपलक्ष में एक भव्य कार्यक्रम प्रकृति कुंज, दिल्ली रोड पर आयोजित किया गया। वहां उपस्थित सभी बहनों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। परंपरा अनुसार कार्यक्रम की शुरूआत महाराजा अग्रसेन जी की मूर्ति के समक्ष दीप जलाकर एवं पुष्प अर्पित करके की गई। इसके पश्चात एक नए अंदाज में समयावधि पुरस्कार निकालकर दो बहनों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।सभा में आए अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद समिति की संस्थापिका रंजना सिंघल द्वारा नए सत्र के लिए चुने गए पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी का परिचय कराया गया अध्यक्ष के लिए अंशु गुप्ता सचिव के लिए मधु गुप्ता कोषाध्यक्ष के लिए रेखा सिंघल एवं समस्त कार्यकारिणी को पटके पहना कर स्वागत किया गया

फास्ट ट्रैक

नलकूप विभाग के टेक्नीशियन अरुण कुमार सिंह बने मीडिया प्रभारी

अलीगढ़ ,(सू0वि0): उत्तर प्रदेश फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विस एसोसिएशन के प्रतिनिधि प्रांतीय अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष प्रदीप चौहान द्वारा नलकूप विभाग खंड सेकंड के टेक्नीशियन अरुण कुमार सिंह (मो0 नं0 9568644312) को फेडरेशन का मीडिया प्रभारी नियुक्त करते हुए उनको पटका पहनकर सम्मानित किया और वयुग का संविधान युग निर्माण सत्संगकल्प परम पूज्य गुरुदेव का चित्र भेंट किया।

लम्बित वादों के समाधान का पर्याय बना राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान

जिले में अब तक 393 आवेदकों ने किया आवेदन, 41 में मध्यस्थता हुई सफल

अलीगढ़ (सू0वि0): न्यायिक प्रक्रिया में लंबित मामलों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1 जुलाई से 30 सितंबर तक संचालित राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान के तहत जिले भर में अपने प्रकरणों का आपसी सुलह समझौते से निस्तारण कराने के लिए उत्साह का माहौल है। अब तक शहरी, ग्रामीण व दूर-दराज के अंचलों से 393 आवेदकों द्वारा आपसी सुलह समझौते से अपने वादों का निस्तारण कराने के लिए आवेदन कर पहल की गई है। जिनमें से न्यायाधिकारियों द्वारा 41 प्रकरणों में मध्यस्थता सफल कराई गई है जबकि शेष मामालों पर अभी भी सुनवाई की जा रही है ।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला जज नितिन श्रीवास्तव ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के तहत दीवानी न्यायालय, परिवार न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय, मोटरयान दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग सहित वाह्य स्थित न्यायालयों में लंबित मामलों का समाधान मध्यस्थता एवं सुलह केन्द्र, एडीआर भवन, दीवानी न्यायालय परिसर, अलीगढ़ के माध्यम से किया जा रहा है।

बिजली कटौती एवं किसानों की समस्यायों को लेकर भाकियू भानु का धरना - प्रदर्शन

भरतरी विद्युत उपकेंद्र पर की तालाबंदी एसडीओ एवं जेई को पंचायत मे 2 घंटे बनाया बंधक

राम गोपाल शर्मा संवाददाता / भारत संवाद

अलीगढ ।गभाना क्षेत्र के भरतरी विद्युत उपकेंद्र पर भारतीय किसान यूनियन (भानु) के युवा जिलाध्यक्ष अलीगढ़ कृष्णा ठाकुर के नेतृत्व मे सैकड़ों पदाधिकारी एवं क्षेत्रीय किसानों ने अघोषित बिजली कटौती एवं विभाग के द्वारा किये जा रहे उत्पीड़न के खिलाफ धरना - प्रदर्शन किया युवा जिलाध्यक्ष कृष्णा ठाकुर ने कहा कि इस समय किसानों की धान, बाजरा , आदि की फसले पर्याप्त बिजली की आपूर्ति न होने के कारण सूखनें की कगार पर पहुंच गयी है सरकार के आदेश अनुसार सिंचाई के लिए 10 घंटे बिजली की आपूर्ति किये जाने का आदेश है लेकिन उपकेन्द्र से सिंचाई के लिए कटौती कर 5-6 घंटे आपूर्ति की जा रही है जिला अध्यक्ष संजय चौहान ने कि ने कहा कि जेई भरतरी भ्रष्टाचार मे लिप्त है जिनकी क्षेत्रीय ग्रामीणो के द्वारा शिकायत की जा रही है जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की छवि धूमिल हो रही है इनका तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण कर कार्यवाहीं की जाये राष्ट्रीय महासचिव नेमसिंह सोलंकी ने कहा कि इस समय बिजली के बिल बहुत गलत आ रहें जिन्हें संशोधन कराने के लिए लोग अलीगढ़ लाल डिग्गी चक्कर लगाते हैं बिल संशोधन के लिए भरतरी विद्युत उपकेंद्र पर ही एक काउंटर खोला जाये प्रदेश संगठन मंत्री श्रवण ने कहा कि सरकार के आदेश अनुसार बिजली की आपूर्ति के जो आदेश है उसमें कटौती न की जाये , मौके पर पहुंचे एसडीओ सौरभ भारद्वाज को पांच सूत्रीय ज्ञापन मुख्य अभियंता अलीगढ़ को सौंप चार घंटे बाद धरना समाप्त किया इस दौरान , राष्ट्रीय संगठन मंत्री ठा. ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय महासचिव धीरज सिंह, प्रदेश महासचिव मुनेश कुमार सिंह, प्रदेश संगठन मंत्री श्रवण बघेल, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुमित ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष भगवान दास चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष राजू ठाकुर, ब्लांक अध्यक्ष लोधा राजकुमार सिंह, डॉ दिग्विजय, शदानद प्रधान, वीरपाल सिंह, कालू ठाकुर , कुलदीप ठाकुर शालू ठाकुर, सुरेन्द्र चौधरी, हिमांशु पंडित, मनोज कौशिक, गोपाल बघेल, गौरव बघेल , देवू ठाकुर, पवन कुमार दक्ष, कुलदीप शर्मा, मुकेश चौहान, डॉ बलजीत चौधरी, पिंटू शर्मा, सोनू जादौन, श्याम चौधरी, राजेश कुमार सिंह , विशात चौधरी, देवेन्द्र सिंह, राहुल सिंह, राजकुमार सिंह, सुधीर ठाकुर, मानेद्र चौधरी, सूरज जादौन , शिव कुमार शर्मा, सौरभ ठाकुर, प्रेम शंकर बघेल, सुधीर ठाकुर, विजय सिंह केतन शर्मा , भुवनेश सिंह, राजेश, छोटेलाल, कौशल किशोर, मंजूलता, डॉली चौधरी, राजकुमारी , मंजूरानी, आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु की बैठक हुई आयोजित

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में माह जुलाई, 2025 की जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर सभी विभागों के समय सीमा के अन्दर एवं आबकारी विभाग व बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के समयावधि समाप्त होने के बाद भी लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा तत्काल निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उपायुक्त उद्योग द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि वित्त पोषित योजनाओं में पी0एम0ई0जी0 योजना में लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में 52 आवेदन पत्र बैंकों को प्रेषित किये गये हैं, जिसमें 25 पर स्वीकृति एवं वितरण तथा ओ0डी0ओ0पी0 योजना में 11 आवेदन पत्र बैंकों को को प्रेषित किये गये हैं, जिसमें 02 पर स्वीकृति एवं वितरण किया गया है। जनपद में 23 विभागों द्वारा हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 की प्रगति के सम्बन्ध में उद्यमी मित्र पीयूष दीक्षित द्वारा बताया गया कि विभिन्न विभागों के 57 इकाइयों द्वारा उत्पादन कार्य प्रारम्भ है एवं 42 अन्य इकाईयॉ निमार्णाधीन है। निजी औद्योगिक पार्कों के विकास हेतु ढछएऊऋए के सम्बन्ध में समस्त उद्यमियों/औद्योगिक संगठनों को योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा इच्छुक उद्यमियों से जिनके पास 10 एकड़ से अधिक 50 एकड़ तक निजी भूमि उपलब्ध हो अथवा कई उद्यमी संगठित होकर प्रस्ताव/आवेदन भूमि के स्वामित्व के कागज एवं आगणन सहित जिला उद्योग केन्द्र में उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गयी है। अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि यूपीडा द्वारा एक्सप्रेशन ऑफ इन्टरेस्ट यूपीडा की वेबसाइट पर आमंत्रित किये गये हैं। जनपद के जो उद्यमी यूपीडा में भूमि आवंटन के इच्छुक है, वे उक्त ई0ओ0आई0 05 अगस्त, 2025 तक आवेदन कर सकते हैं ।उपायुक्त उद्योग द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत अभी तक 1497 आवेदन पत्र विभिन्न बैंकों को प्रेषित किये गये हैं, जिसमें 505 आवेदन पत्र स्वीकृत एवं 462 आवेदन पत्रों का ऋण बैंक स्तर से वितरित किया गया है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0), अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, उपायुक्त उद्योग, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत खण्ड सुलतानपुर, अग्रणी जिला प्रबन्धक बैंक आफ बड़ौदा, सहायक आयुक्त राज्य कर, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि सहित जनपद के उद्यमी एवं औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

देश की कामयाबी में भागीदार बनने का सुनहरा अवसर

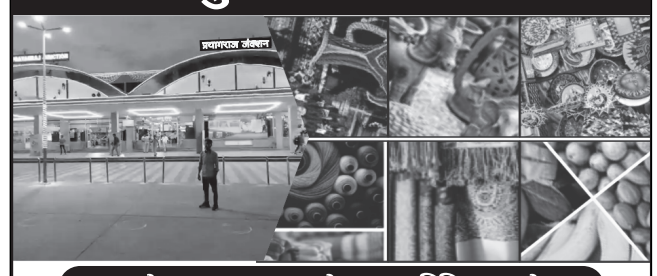

"एक स्टेशन एक उत्पाद" योजना का विशिष्ट आयोजन

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 के बजट में एक स्टेशन एक उत्पाद योजना की घोषणा की गई थी। इस योजना में भारतीय रेलवे के समस्त स्टेशन पर Vocal for Local Vision के तहत स्थानीय उत्पाद को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नीति सं0 12 of 2022 दि0 20.05.2022, 15 of 2022 दि0 10.08.2022, 18 of 2022 दि0 20.09.2022, 09 of 2023 दि0 24.05.2023 एवं 29.09.2023 के अंतर्गत स्थानीय व्यक्तियों, स्वयं सेवी संस्था, स्वयं सेवी समूह, एनजीओ आदि को स्टाल एवं ट्रॉली उपलब्ध कराना है। उत्तर मध्य रेलवे भी इस योजना के तहत निम्न स्टेशनों पर स्टाल/कीओस्क के माध्यम से विक्रय/सहप्रचार केंद्र की सुविधा उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित है।

स्टेशनों की सूची

मण्डल के सोनभद्र, मिर्जापुर, विंध्याचल, चुनार, मानिकपुर, प्रयागराज-छिवकी, फतेहपुर, कानपुर अनवरगंज, गोविन्दपुरी, फफूंद, मैनपुरी, हाथरस, अलीगढ़, टूंडला, भोगांव, अछल्दा, झींझक, रूरा, भरथना, दादरी, डावर, मारीपत, इटावा, शिकोहाबाद रेलवे स्टेशनों पर कुल 39 यूनिट ओएसओपी की स्थापना हेतु आवेदन की मांग मण्डल कार्यालय द्वारा की जा रही है।

नोट: (1) उपर्युक्त स्टेशनों में से जिन स्टेशनों के आवेदन पूर्व में आमंत्रित आवेदनों में अभी भी लंबित है, उनके आवेदनों के निस्तारण के पश्चात ही इस विज्ञापन के अंतर्गत प्राप्त नवीनतम आवेदनों पर समिति द्वारा क्रम/प्राथमिकता के अनुसार विचार किया जाएगा तथा प्राप्त आवेदनों को शेष आवेदनों के साथ व्यवस्थित किया जाएगा। रेल प्रशासन किसी भी स्टेशन के लिए आवश्यकतानुसार बिना कोई कारण बताए किसी भी आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

(2) इसके अतिरिक्त यह भी स्पष्ट किया जाना है कि जिन नामित स्टेशनों के लिए आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं, उन स्टेशनों पर उपलब्ध स्टॉलों एवं ट्रॉलियों को अपने विवेकानुसार मंडल के अन्य स्टेशनों पर स्थानांतरित/स्थापित करने तथा उक्त स्टॉलों एवं ट्रॉलियों का संचालन करने का अधिकार रेल प्रशासन के पास सुरक्षित है।

योजना की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:-

1. **इस योजना के अंतर्गत रेलवे प्रशासन नामित स्टेशनों पर स्वतः स्टाल/ट्राली बनवाकर उपलब्ध कराएगी।**
2. **पंजीकरण शुल्क एवं स्टाल/कीओस्क की अवधि न्यूनतम 15 दिन (पंजीकरण शुल्क 1000/500) व अधिकतम 03 माह (पंजीकरण शुल्क 6000/3000) है।**
3. **अधिकतम 02 सेल्स मैन (प्लेटफार्म वेंडर सहित) प्रत्येक स्टाल प्रत्येक शिफ्ट में कार्य हेतु अधिकृत होंगे।**
4. **विद्युत प्रभार उपभोग के आधार पर लिया जाएगा जैसा की नीति सं. 09 ऑफ 2023 दि0 24.05.2023 में निर्देशित है।**
5. **यदि कोई देय हो प्रभावी टैक्स की देनदारी आवंटी की होगी, इसके लिए रेल प्रशासन जिम्मेवार नहीं होगा।**
6. **इस स्टाल पर स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, हैंडलूम, स्थानीय कृषि उत्पाद, स्थानीय कारीगरी, संशाधित एवं अर्ध संशाधित खाद्य पदार्थ, परंपरागत परिधान, लकड़ी अथवा मिट्टी से बनी वस्तुए, खिलौने व ऐसी वस्तुए जो हमारे स्टेशन स्टाल पर विक्रय न किये जाते हो आदि का विक्रय किया जा सकता है।**

इच्छुक व्यक्ति/संस्थाएं स्वयं सेवी संस्था, स्वयं सेवी समूह, एनजीओ अपना आवेदन अहर्क दस्तावेज/प्रमाण पत्र के साथ स्टेशन अधीक्षक सोनभद्र, मिर्जापुर, विंध्याचल, चुनार, मानिकपुर, प्रयागराज-छिवकी, प्रयागराज, सूबेदारगंज, फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल, पनकीधाम, कानपुर अनवरगंज, गोविन्दपुरी, फफूंद, मैनपुरी, फिरोजाबाद, हाथरस, अलीगढ़, टूंडला, भोगांव, अछल्दा, झींझक, रूरा, भरथना, दादरी, डावर, मारीपत, इटावा, शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन उ0म0रे0 के कार्यालय में दि0 **28.07.2025** तक अवश्य प्रस्तुत करें/जमा करें। किसी प्रकार की सहायता/जानकारी (Guidance) के लिए खण्ड के वाणिज्य निरीक्षक से संपर्क कर सकते है जिनकी सूची निम्नवत् हैः

क्रम	स्टेशन	इस योजना से सम्बंधित किसी भी जानकारी हेतु निम्नलिखित खण्ड वाणिज्य निरीक्षक से संपर्क कर सकते है	दूरभाष नं0
1	अलीगढ़ एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री संजय शुक्ला	9794837282
2	इटावा एवं फफूंद एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री नरेश मीना	9794837323
3	मिर्जापुर एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री एस0 के0 अकेला	9794837290
4	टूंडला एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री मनोज कुमार	9794837321
5	फतेहपुर एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री महेंद्र गुप्ता	9794837286
6	खुर्जा एवं दादरी एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री हनुमान मीना	9794837324
7	चुनार एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री राजेश कुमार	9794837292
8	प्रयागराज एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री आर0 पी0 मीना एवं कमलेश कुमार (9794837288)	9794837291
9	सूबेदारगंज एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री संतोष कुमार	9794957333
10	प्रयागराज छिवकी एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री ओमप्रकाश	9794838965
11	कानपुर-अनवरगंज, रूरा एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री ललित कुमार	9616331233
12	कानपुर सेंट्रल एवं सम्बंधित खंड/स्टेशन	श्री विजय शर्मा एवं श्री के डी मीना (9794837295)	9794837293

- **इस योजना से सम्बंधित अन्य कोई जानकारी हेतु श्री ए0 सी0 पाण्डेय, वाणिज्य निरीक्षक-I/एनएफआर (मो. नं. 9004417232) या श्री पंकज कुमार रजक, वाणिज्य निरीक्षक-II/एनएफआर, (मो.नं. 7525001455), मंडल कार्यालय, प्रयागराज एवं ई मेल-cmialddiv@gmail.com से संपर्क कर सकते है।**

नोट : OSOP में प्रतिभागियों का चयन इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जा सकता है कि इस योजना का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पहुँचना है। इस योजना में निम्नलिखित को प्राथमिकता दी जाएगी :

- विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा या अपेक्षित राज्य/केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगर/बुनकर, आई डी कार्ड धारक।
- भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (TRIFED)/राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (NHDC)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) आदि में नामांकित/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/ बुनकर/शिल्पकार।
- पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह।
- समाज में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग।

नोट : खाद्य पदार्थ (उत्पाद) की स्थिति में आवेदक के पास में वैध फूड लाइसेंस (FSSAI) होना अनिवार्य है।

उत्तर मध्य रेलवे
गतिशीलता ही हमारी पहचान

1292/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल की अध्यक्षता में विकास कार्यों की मण्डलीय बैठक सम्पन्न

- जनहित की सेवा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं
- मण्डलायुक्त संगीता सिंह
- मण्डलीय समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की प्रगति पर हुई गहन चर्चा

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): अलीगढ़ मण्डल की मण्डलीय समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त करते हुए मण्डलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने कहा कि जनसेवा में संलग्न अधिकारियों को आत्मविश्लेषण की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में लापरवाही और समन्वयहीनता स्वीकार नहीं की जाएगी ।कमिश्नरी सभागार में आयोजित जून माह की प्रगति समीक्षा बैठक में अलीगढ़ जनपद की रैंकिंग में सुधार न होने पर मण्डलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ह्लऐसा कोई कार्य नहीं है जो इच्छाशक्ति और कर्तव्यनिष्ठा से पूरा न हो सके। आवश्यकता केवल संकल्प लेने की है। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को सर्वोपरि रखें। शासन की योजनाओं का लाभ उन्हीं लोगों तक पहुंचे जिनके लिए वे बनाई गई हैं, यह प्रत्येक अधिकारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है ।मण्डलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन व जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा जनशिकायतें शासन की प्राथमिकता में हैं, इनकी अनदेखी सीधे तौर पर जनविश्वास को आघात पहुँचाती है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों व विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय और सामंजस्य के साथ कार्य करते हुए मण्डल की विकास रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

मनोहारी श्रृंगार से पितृ प्रसन्नता के साथ मनोकामना पूर्ण करते है भगवान शिव : स्वामी पूणार्नंद पुरी

भारत संवाद

अलीगढ ! हरियाली अमावस्या के पावन पर्व पर वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख स्वामी पूणार्नंद पुरी जी महाराज के निर्देशन में पितृ पूजा, तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान, नाग पूजा, करने के बाद आचार्य गौरव शास्त्री, रवि शास्त्री, ऋषि शास्त्री, गौरव वेदपाठी, शिवम व्यास, राम लखन शास्त्री, आदि वैदिक ब्राह्मण आचार्यो ने बांके विहारी को प्रकट करने बाले स्वामी हरिदास जी महाराज की जन्मस्थली सिद्ध पीठ खेरेश्वर धाम पर अकरबाद ब्लॉक प्रमुख राहुल ठाकुर, क्षेत्राधिकारी गभाना संजीव तौमर,प्रिया तौमर, थाना प्रभारी लोधा अंकित चौधरी खेरेश्वर चौकी इंचार्ज महेंद्र सिंह, से भगवान भोले नाथ का पूजन दूध, दही, घी, शहद, बूरा, गन्ने का रस, भंग, गुलाव जल, से अभिषेक कराकर मनोहारी श्रृंगार कर शिव गौरी की महाआरती की।

स्कूलों का मर्जीकरण शिक्षा के अधिकार का हननः दीपक जाटव

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 5000 प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के प्रस्ताव के खिलाफ डॉ. अंबेडकर स्टूडेंट यूनियन के नेतृत्व में शिक्षा बचाओ-भविष्य बचाओ अभियान की शुरूआत की गई है।

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र सं.–02

निविदा सूचना संख्या.10/2025 दिनांक 17.06.2025 (निविदा संख्या 19255600) के संदर्भ में निम्नलिखित शुद्धि पत्र जारी किया जा रहा है -

क्षेत्र विवरण	वर्तमान विवरण	संसोधित विवरण
पात्रता मापदंड	-------	टेन्डर के अनुसार
टेण्डर समापन दिनांक एवं समय	22.07.2025 14:30 Hr.	18.08.2025 14:30 Hr.

अन्य शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी **1056/25(D)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या :- NCR-M-PRYJ-QWS-08-25 **दिनांक :-21.07.2025**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है-

कार्य का नाम : प्रयागराज स्टेशन के प्लेटफार्म 7,8,9, और 10 पर क्विक वाटरिंग की व्यवस्था।

कार्य का अनुमानित लागत (रू. में) : ₹ 2,40,82,924.74

बिड सिक्योरिटी : ₹ 2,70,400	**ई निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य
निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम	**कार्य की अवधि :** 42 माह

IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 21.07.2025

निविदा बंद होने की तिथि : 13.08.2025

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलबध होगा। **2.** ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है। **3.** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। **4.** न्यूनतम पात्रता मानदंड इस निविदा में लागू है। **5.** किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1285/25(AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं/विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक उ0 प्र0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से हुई आयोजित

भारत संवाद

सुलतानपुर 24 जुलाई/जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में 50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक उ0प्र0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विभागवार संचालित परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा सम्बन्धित विभाग के अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि की उपस्थिति में की गयी ।बैठक में जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी सम्बन्धित विभागाध्यक्षों व कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि जिनके कार्य पूर्ण हो चुके हैं वे सभी हैंडओवर की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं को समय से पूर्ण नहीं किया गया है उनकी समयावधि को शासन से अनुमति प्राप्त कर उन्हें अद्यतन करा लें। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन विभागों की रैंक प्रदेश में बेहतर हैं वे उसे बनायें रखें। उन्होंने डीसी एनआरएलएम, अधिशाषी अभियन्ता जल जीवन मिशन ग्रामीण को निर्देशित किया कि रैंक में सुधार लायें। डीएम द्वारा पीओ नेडा से पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। उन्होंने अवगत कराया कि लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 1087 सोलर प्लांट लगाये जा चुके हैं। जून माह में अब तक 144 प्लांट लगाये गये हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सेतु निगम, यूपी नेडा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की प्रगति, माध्यमिक शिक्षा, पर्यटन, सेतु निर्माण, कन्या सुमंगला योजना, पंचायती राज विभाग आदि विभागों की सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से प्रगति समीक्षा की गयी।

भारत संवाद परिवार 1–संरक्षक–भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2–संरक्षक–भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3–संरक्षक–भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4–कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5–उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1–ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक– अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०–9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले सोचें

आजकल सोशल मीडिया लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर हावी हो गया है। भारत की बात करें, तो सोशल नेटवर्किंग साइट्स लोगों, खास तौर पर युवाओं के लिए नशे जैसी हो गई हैं। आलम यह है कि बहुत-से लोगों को रोज फेसबुक-ट्विटर देखे बिना नींद ही नहीं आती। दिक्कत यह है कि कई लोग इस भ्रम में होते हैं कि वे सोशल मीडिया पर कुछ भी लिख सकते हैं, किसी के बारे में कुछ भी विचार व्यक्त कर सकते हैं.यहां सब कुछ चलता है!

जरा सोचिए, व्यवहारिक दुनिया में आप कितने डिप्लोमैटिक रहते हैं। अपने बॉस या सहकर्मी के बारे में आपके मन में जो विचार आते हैं, क्या वे सभी विचार आप उनके सामने व्यक्त कर सकते हैं? नहीं ना? तो यह क्यों सोचते हैं कि सोशल मीडिया में आप वह सब कुछ लिख सकते हैं, जो आपके मन में आए?

सच तो यह है कि सोशल मीडिया पर सक्रियता अगर कुछ हद तक आपकी तरक्की की राह आसान करती है, तो कई बार आपकी गलती से यह सक्रियता तरक्की की राह में रोड़ा भी बन सकती है। सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले उसके असर के बारे में जरूर सोच-विचार कर लें। ऐसा कुछ पोस्ट करने का प्रयास करें, जिससे आपका करियर बेहतर होता हो, न कि ऐसा कुछ जिससे आपके करियर की गाड़ी पटरी से उतर जाए।

तस्वीरों से बचें

फेसबुक या अन्य किसी नेटवर्किंग साइट पर अपनी ऐसी कोई तस्वीर न रखें, जिससे आपकी छवि खराब होती हो। मसलन, अगर कोई टीचर है और शराब पार्टी में शामिल होने की फोटो शेयर करता है, तो इससे उसकी अपने स्टूडेंट्स के बीच छवि खराब हो सकती है।

प्लेटफॉर्म का ध्यान रखें

यह ध्यान रखें कि किस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कैसी चीज पोस्ट की जा सकती है। उदाहरण के लिए बच्चों की गतिविधि अपनी हॉबी, मंदिर जाने जैसी रोजमर्रा की जानकारी आप फेसबुक पर शेयर कर सकते हैं लेकिन लिंक्डइन जैसी प्रोफेशनल नेटवर्किंग वेबसाइट पर नहीं। लिंक्डइन पर ऐसी पर्सनल जानकारी या तस्वीरें शेयर करनी चाहिए, जिससे प्रोफेशनल तबका प्रभावित हो।

नकारात्मकता से दूर रहें

आपके सोशल मीडिया अकाउंट पर आपकी प्रोफेशनल या पर्सनल लाइफ के बारे में लोगों के मन में पॉजिटिव इमेज बननी चाहिए। आपकी पोस्ट नकारात्मकता से भरी होगी, तो आपके बारे में अच्छी राय नहीं बनेगी। इस बात पर विचार करें कि आपके पोस्ट से ज्यादा-से-ज्यादा लोग आपसे जुड़ रहे हैं या आपसे दूर होते जा रहे हैं।

करियर में चार चांद लगा सकती है वॉटर साइंस फील्ड

वॉटर साइंस यानी जल विज्ञान अपने आपमें साइंस की एक बड़ी शाखा है। इसमें न सिर्फ वॉटर साइकिल को स्टडी किया जाता है, बल्कि रिसर्च करके अलग-अलग जगहों पर पानी से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करने के विकल्प तलाशे जाते हैं।

आज दुनिया का शायद ही ऐसा कोई देश हो, जो पानी से जुड़ी किसी समस्या से ग्रस्त न हो। ऐसे में एक वॉटर साइंटिस्ट के लिए हर जगह संभावनाएं हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जो आपके करियर में चार चांद लगा सकती है।

क्या है वॉटर साइंस

वॉटर साइंस पानी की जमीन और भूमिगत प्रॉसेस से रिलेटेड साइंस है। इसमें धरती पर मौजूद पहाड़ों और मिनरल्स के साथ पानी की फिजिकल, केमिकल और बायोलॉजिकल प्रॉसेस और लिविंग ऑर्गेनिजम्स के साथ इसकी एनालिसिस शामिल है। वॉटर साइंस की स्टडी करने वाले एक्सपर्ट्स ही वॉटर साइंटिस्ट कहलाते हैं। वॉटर साइंस की फील्ड में हाइड्रोमिटिरोलॉजी, भूतल, वॉटर साइंस, हाइड्रोजिओलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट और जल गुणवत्ता से जुड़े सब्जेक्ट्स आते हैं। इसकी कई ब्रांचेज हैं, जैसे- केमिकल वॉटर साइंस, इकोलॉजिकल वॉटर साइंस, हाइड्रोइन्फॉरमैटिक्स वॉटर साइंस।

क्या हैं फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स?

वॉटर साइंटिस्ट बनकर आप विभिन्न प्रकार के ऑर्गेनाइजेशन्स के लिए काम करके अच्छी सैलेरी पा सकते हैं। सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं में वॉटर साइंटिस्ट को अच्छे पैकेज पर एपॉइंट किया जाता है। इसके अलावा आप काउंसलर के रूप में भी काम कर सकते हैं। जैसे- सिविल इंजीनियरिंग, एनवायरमेंटल मैनेजमेंट और इवैल्युएशन में सेवाएं उपलब्ध कराना। इसके अलावा आप नई एनालिटकल टेक्नीक्स के जरिए टीचिंग और रिसर्च भी कर सकते हैं। यूटिलिटी कंपनियां और सार्वजनिक प्राधिकरण के साथ जुड़कर जलापूर्ति और सीवरेज सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

वॉटर रिसोर्सेज डेवेलपमेंट और मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आपमें पेशेंस, डिटरमिनेशन, विस्तृत और अच्छी एनालिसिस करने की एबिलिटी होनी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टीम वर्क की भावना और एफेक्टिव कम्युनिकेशन इस फील्ड में बने रहने के लिए जरूरी है।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

देशभर की कई यूनिवर्सिटीज वॉटर साइंस और वॉटर रिसोर्सेज जैसे सब्जेक्ट्स में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स कराती हैं। वॉटर साइंस में करियर बनाने के लिए आप इस सब्जेक्ट से बीएससी करने के बाद एमएससी और फिर पीएचडी या एमफिल कर सकते हैं।

कैसा है रेम्युनेरेशन?

अपने करियर की शुरुआत में आप 18-20 हजार रुपए तक कमा सकते हैं। इस फील्ड में एक्सपीरियंस काफी मायने रखता है।

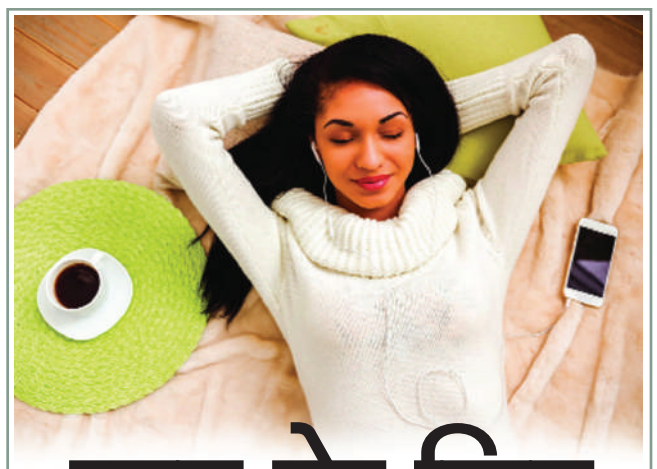

खुद के लिए समय निकालें

क्या आप उन लोगों में से हैं जिनके पास घर, काम, अपने समुदाय की तरह-तरह की जिम्मेदारियों की अच्छी खासी सूची है और आप इसे संतुलित करने की कोशिश में लगे रहते हैं। आपका यह इरादा प्रशंसनीय है कि आप एक साथ कई जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं। लेकिन आपको एक अलग अप्रोच के लिए काम करने का तरीका अपनाना चाहिए। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे है जो कि आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं

- आपको उन चीजों पर ज्यादा फोकस करना चाहिए जो आपके लिए ज्यादा मायने रखते हों। अगर आप चीजों को आसान बनाना चाहते हैं तो आपके पास एक सिंगल टास्क लिस्ट होनी चाहिए। आपको आपके कैलेंडर में सारी चीजें फीड करना चाहिए और उन्हें प्राथमिकता के हिसाब से पूरा करते रहना चाहिए। इस तरह आपका ध्यान फोकस रहेगा और आप काम में भटकेंगे नहीं। इसका एक कारण यह भी है कि प्राथमिकता तय करने से आप महत्वपूर्ण काम को पहले कम पाएंगे जिससे आप रिलेक्स भी रहेंगे।
- अगर आप सामान्य से कुछ घंटे पहले नींद से उठने की आदत डालेंगे तो आपको पूरे दिन रिलेक्स महसूस होगा। आप एक्सरसाइज कर सकते हैं, पढ़ सकते हैं और शांति से दो पल बैठ सकते हैं। साथ ही जल्दी उठने के हेल्थ बेनिफिट्स भी आपको मिलेंगे। जल्दी उठने वाले प्रोएक्टिव, चीयरफुल और डिप्रेशन से कोसों दूर रहते हैं।
- आपने अपना सौ प्रतिशत दिया लेकिन आप जिस तरह का रिजल्ट चाहते थे, नहीं आ पाया। ऐसे में निराश होना स्वाभाविक है। अब लोग उसे लेकर ही चिंतन-मनन में लगे रहते हैं और अपनी प्रोडक्टिविटी प्रभावित करते हैं। आप अपने साथ ईमानदार रहें और चीजों में सौ प्रतिशत देने के बाद उसके परिणाम को लेकर आसक्त न रहें।
- आपके पास पहले से ही खूब काम है और ऊपर से आप ने बेमतलब की जिम्मेदारी और लेकर अपना बर्डन बढ़ा लिया। अगर आप किसी भी काम में ना करने से हिचकिचाते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको अपने रूटीन में थोड़ा पर्सनल टाइम चाहिए होता है और उसमें भी आपने कुछ ऐसे टास्क ले लिए तो आपके हाथ निराशा ही हाथ लगेगी। मी टाइम लेकर अपराधबोध मत रखिए। यह आपके लिए बहुत जरूरी है।

लिंग्विस्ट के फील्ड में अवसरों की कमी नहीं

इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट्स हों या हाई प्रोफाइल विदेशी हस्तियों की यात्रा, ऐसे इवेंट्स को सफल बनाने में एक लिंग्विस्ट की बड़ी भूमिका होती है। लिंग्विस्ट यानी वह लैंग्वेज प्रोफेशनल, जिसकी एक से ज्यादा भाषाओं पर मजबूत पकड़ हो। अगर आपको भी नई भाषाएं सीखने और उनमें निपुणता हासिल करने में दिलचस्पी है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन लिंग्विस्ट।

कौन-से कोर्स?

आप किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन करने के बाद लिंग्विस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन कर सकते हैं। हालांकि ज्यादा अच्छे रेम्युनरेशन के लिए इस फील्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना ज्यादा फायदेमंद होगा। सरकारी सेवाओं में भी लिंग्विस्टिक्स में एमफिल या पीएचडी जैसी डिग्री को प्राथमिकता दी जाती है।

संभावनाएं

इस फील्ड में अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल्स में बतौर स्पीच थैरेपिस्ट, बैंक्स में बतौर लैंग्वेज इनपुट ऑफिसर, पब्लिशिंग हाउसेज में बतौर ट्रांसलेटर और लेक्सिकोग्राफर, पीआर इंडस्ट्री, ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री, आईटी इंडस्ट्री में वॉइस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर डेवलपर, मिलेट्री, इंटेलिजेंस और फॉरेन सर्विसेज में काम करके बेहतरीन करियर बना सकते हैं।

लिंग्विस्टिक्स में पढ़ाई करने के बाद करियर ऑप्शन होते हैं

लिंग्विस्ट

आप भाषा की उत्पत्ति और विकास में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं और रिसर्च करके स्पीच रिकग्निशन में काम कर सकते हैं।

टीचर

आप किसी भी भाषा विशेष का अध्यापन कर सकते हैं। इस तरह के टीचर्स की कई विश्वविद्यालयों में काफी मांग है।

ट्रांसलेटर

इस जॉब में आपको किताबों, स्क्रिप्ट्स और लेखों का दूसरी भाषा में अनुवाद करना होता है।

इंटरप्रिटर

इंटरप्रिटर के तौर पर बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स या सरकारी अधिकारियों के साथ दूसरे देशों की यात्राओं पर जाने का मौका मिलता है। यहां आप दो लोगों को संवाद करने में मदद करते हैं। यह बहुत ही टफ जॉब है क्योंकि आपको इस बात का ध्यान रखना होता है कि मूल वाक्य का अर्थ आपके इंटरप्रिटेशन में बदल न जाए। साथ ही, वाक्य बोले जाने के बाद आपको उसका अनुवाद सोचने के लिए न के बराबर समय मिलता है।

भाषा के क्षेत्र में करियर जितना अलग है, उतना ही रोचक भी। एक से ज्यादा भाषाओं की जानकारी आपको न सिर्फ दूसरे देशों और संस्कृति से जोड़ती है, बल्कि कई फील्ड्स में करियर के रास्ते भी खोलती है। आज भाषाओं के क्षेत्र में बेहतरीन प्रोफेशनल्स की काफी डिमांड है। हॉस्पिटल्स हों या बैंक्स, जांच एजेंसियां हों या पब्लिशिंग हाउसेज, हर उद्योग में लिंग्विस्ट के लिए काफी स्कोप है। अगर आपको भी भाषाओं में दिलचस्पी है, तो आप लिंग्विस्टिक्स में बना सकते हैं शानदार करियर।

लिंग्विस्टिक्स भाषा की वैज्ञानिक स्टडी है। इसमें किसी भाषा विशेष की बनावट और उसके विकास के साथ-साथ दूसरी भाषाओं के साथ उसके संबंध के बारे में भी पढ़ाया जाता है। इसमें भाषा के हर पहलू को कवर किया जाता है। इस विषय के विद्यार्थी के पास भाषा की उत्पत्ति से लेकर उसके विकास तक की जानकारी होती है।

अप्रेजल को लेकर है टेंशन, तो जरा इन बातों पर ध्यान दें

कार्तिक एक नामी कंपनी में पिछले कई वर्षों से काम कर रहे हैं। अपने इनोवेटिव अप्रोच और परिश्रम की वजह से आज वे एक सीनियर और जिम्मेदारी भरे पद पर हैं। किसी भी प्रोजेक्ट की प्लानिंग और उस पर अमल से लेकर फाइनल आउटपुट तक वे हर कदम पर अपनी टीम के साथ लगे रहते हैं। वे चाहते, तो सारे काम अपने अधीनस्थों को सौंपकर निश्चिंत हो सकते थे लेकिन बिना खुद काम किए उन्हें तसल्ली नहीं होती। ऐसा नहीं है कि उन्हें अपनी टीम पर भरोसा नहीं है या फिर उनकी टीम कमजोर है। इसके बावजूद हर काम पर बारीकी से नजर रखते हुए आगे बढ़ना उनकी आदत में शुमार है। यही कारण है कि उनके तमाम प्रोडक्ट्स का आउटपुट प्रभावशाली होता है। हालांकि इसके लिए वे प्रशंसा की ज्यादा उम्मीद नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि बेहतर आउटपुट से जो सुकून मिलता है, वही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

बाहर नहीं, भीतर देखें

आपके काम से ही आपकी पहचान होती है। कई बार आप सोचते होंगे कि मैं तो इस संस्थान में इतने वर्षों से काम कर रहा हूं, लेकिन मुझे न तो कभी अच्छा इंक्रीमेंट मिला और न ही उपयुक्त प्रमोशन। हो सकता है कि इस बात को लेकर आप दुखी और निराश भी हों। लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गंभीरता से विचार किया कि आखिर क्यों दूसरों को बेहतर इंक्रीमेंट मिल जाता है और आपको नहीं? यदि नहीं किया, तो अब जरूर इस बात पर विचार करें। दूसरों को कोसने या उनसे ईर्ष्या करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। बेहतर यही होगा कि दूसरों की उपलब्धियों को देखकर दुखी या निराश होने के बजाए अपने भीतर देखें और अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें।

ढूंढें सवालों के जवाब

अब तक के करियर में आपने कितनी बार किसी काम के लिए बॉस के सामने पहल की है या कोई इनोवेटिव आइडिया दिया है? क्या आप नई चुनौतियों को स्वीकार करने से बचते रहे हैं? क्या आप इसलिए बॉस के सामने पड़ने से कतराते हैं कि कहीं वे आपको कोई नया काम न सौंप दें? क्या आपने अपनी जिम्मेदारियों को बिना किसी गलती के, पूरी कुशलता के साथ डेडलाइन पर पूरा किया है? क्या आप पिछली गलतियों से सबक लेते हुए इस बात का ध्यान रखते हैं कि आगे उन्हें दोहराया न जाए? क्या आप किसी काम को करने में लंबा वक्त लेते हैं और डेडलाइन का पालन नहीं कर पाते? क्या आपके पास पेंडिंग कार्यों की लाइन लगी रहती है? क्या वाकई आपके ऊपर ज्यादा काम का बोझ है या फिर आप दूसरों को ऐसा दिखाते भर हैं? इन सब सवालों पर मंथन कर इनके उत्तर ईमानदारी से देना जरूरी है।

उत्साह भरी पहल

याद रखें, सिर्फ घड़ी देखकर मशीन की तरह काम में जुटे रहने से न तो पहचान मिलती है और न ही रिवॉर्ड। आज हमारे जीवन में टेक्नोलॉजी का दखल काफी बढ़ चुका है। इसकी वजह से स्मार्ट वर्क-स्टाइल को बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे में हम पुरानी धीमी पद्धतियों और सोच से चिपके नहीं रह सकते, बल्कि हमें भी वक्त के साथ अपनी सोच और वर्क-स्टाइल में बदलाव लाने के लिए तत्पर रहना चाहिए। यह न सोचें कि अब नई टेक्निक कैसे सीखेंगे! आप चाहेंगे, तो अपने काम को स्मार्ट तरीके से करने की हर स्किल सीख सकते हैं। हां, इसके लिए उत्सुकता और उत्साह दोनों जरूरी हैं। अपने भीतर की काहिलियत को भगाएं और आगे बढ़कर पहल करें। उत्साहित रहकर काम करेंगे, तो खुश भी रहेंगे और इसका बेहतर परिणाम भी दिखेगा।

कर्म पर करें भरोसा

अगर आप स्मार्ट और इनोवेटिव तरीके से काम करेंगे, तो उसे जरूर सराहा जाएगा। अपने और अपने विभाग के कार्यों को सामने लाने का प्रयास करें, ताकि वह कहीं अनदेखा-अनजाना न रह जाए। सामने आने वाली नई चुनौतियों को भी आगे बढ़कर स्वीकार करें और उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें। इसके लिए अपनी टीम के साथ मिलकर काम करें। न तो खुद हताश हों और न ही कभी टीम को हताश होने दें।

न हों निराश

क्या आपको लगता है कि आपने तो हर तरह से बेहतर काम करने और अच्छा परिणाम देने का प्रयास किया, फिर भी उम्मीद के मुताबिक न तो प्रमोशन मिला और न इंक्रीमेंट? यदि हां, तो जरा सोचें कि क्या पहले भी आपके साथ ऐसा हुआ है? अगर पहले उम्मीद के मुताबिक या उम्मीद से ज्यादा मिलता रहा है और सिर्फ इसी बार ऐसा नहीं हुआ, तो फिर आपका निराश या हताश होना उचित नहीं है। खुद को समझाएं और जितनी जल्दी हो सके, अपने आप को व अपने काम को पहले की तरह पटरी पर ले आएं। अगर आप प्रतिक्रिया में काम को लेकर लापरवाही करेंगे या अपने व्यवहार में बेरुखी दिखाएंगे, तो संभव है कि इससे गलत संदेश निकले और आपकी छवि खराब हो। अपना उत्साह और काम के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, तो आगे निश्चित ही सकारात्मक परिणाम दिखाई देगा।

कंबोडियाई सैनिकों की गोलीबारी में 12 थाई लोगों की मौत

थाईलैंड ने कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर हमले किए, एफ-16 तैनात किया

एजेंसी

बैंकॉक , थाईलैंड और कंबोडिया के बीच आज सुबह सीमा पर गोलाबारी हुई है। कंबोडियाई सैनिकों की गोलीबारी में 12 थाई लोगों की मौत हो गई है। वहीं,14 घायल हैं। थाईलैंड ने जवाब में कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। दोनों देशों ने एक दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगाया है। कंबोडिया के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि थाई सैनिकों ने सुबह गोलीबारी की, जबकि थाई सेना ने कहा कि कंबोडिया ने पहले ड्रोन से हमला किया और फिर तोप और लंबी दूरी के बी.एम.21 रॉकेटों से हमला किया। हमले को देखते हुए थाईलैंड ने बॉर्डर पर एफ-16 लड़ाकू विमान तैनात किया है। इस साल 28 मई को बॉर्डर पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई थी, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। इसके बाद से दोनों देशों के बीच विवाद जारी है। इसी विवाद की वजह से इंडोनेशिया की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा को भी पद से हटाया गया था।

हमले के बाद थाईलैंड ने सीमा से लगे 86 गांवों से लगभग 40 हजार नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया है। वहीं, कंबोडिया में रहने वाले थाई लोगों को भी अपने देश लौटने की अपील की गई है। कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह स्थित रॉयल थाईलैंड दूतावास ने कहा कि सीमा पर स्थिति बिगड़ती जा रही है और झड़पों के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना के कारण, दूतावास ने अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके कंबोडिया छोड़ने को कहा है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद का इतिहास 118 साल पुराना है, जो प्रीह विहार मंदिर और आसपास के क्षेत्रों को लेकर है। जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तभी 1907 में दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी। थाईलैंड ने हमेशा इसका विरोध किया, क्योंकि नक्शे में प्रीह विहियर नाम का ऐतिहासिक मंदिर कंबोडिया के हिस्से में दिखाया गया था। इस पर दोनों देशों में विवाद चलता रहा। 1959 में कंबोडिया यह मामला अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया और 1962 में अदालत ने फैसला दिया कि मंदिर कंबोडिया का है। थाईलैंड ने इसे स्वीकार किया लेकिन आसपास की जमीन को लेकर विवाद जारी रखा। 2008 में यह विवाद तब और बढ़ गया जब कंबोडिया ने इस मंदिर को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की कोशिश की। मंदिर को मान्यता मिलने के बाद दोनों देशों की सेनाओं में फिर झड़पें शुरू हो गईं और 2011 में तो हालात इतने बिगड़ गए कि हजारों लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए। 2011 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने दोनों देशों को विवादित क्षेत्र से सैनिक हटाने का आदेश दिया, और 2013 में फिर से पुष्टि की कि मंदिर और उसके आसपास का क्षेत्र कंबोडिया का है। लेकिन सीमा का मुद्दा अब तक पूरी तरह हल नहीं हो पाया है। इस विवाद के बावजूद थाईलैंड और कंबोडिया दुनिया के सबसे अच्छे पड़ोसी देशों में से माने जाते थे। कुछ साल पहले तक दोनों देशों के नेताओं का मानना था कि उनकी दोस्ती कभी नहीं टूटेगी, क्योंकि वे एक लंबी सीमा साझा करते हैं और मिलकर आगे बढ़ना उनके लिए जरूरी है। लेकिन हाल के समय में हालात बदल गए और उनके बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

28 मई को एमरालड ट्रायंगल पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। यह वो जगह है थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस की सीमाएं मिलती हैं।

मोदी को मालदीव दौरे से पहले वहां आतंकी बताया गया

राष्ट्रपति के साले ने लिखा- मोदी आतंकी, इस्लाम के दुश्मन; फिर पोस्ट डिलीट की

एजेंसी

माले, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साले और सलफी जमीयत के नेता शेख अब्दुल्लाह बिन मोहम्मद इब्राहिम ने पीएम मोदी को आतंकवादी कहा और उन पर बाबरी मस्जिद तोड़ने का आरोप लगाया है। मालदीव के अखबार अधाधु की रिपोर्ट के मुताबिक विवाद बढ़ने के बाद अब्दुल्लाह ने सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दी। फिलहाल मालदीव सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। पीएम मोदी 25 जुलाई को मालदीव के दौरे पर जाने वाले हैं। यहां वे 26 जुलाई को होने वाले मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे। शेख अब्दुल्लाह ने एक्स पर की गई पोस्ट में लिखा था- मोदी इस्लाम के सबसे बड़े दुश्मन हैं, वे आतंकवादी हैं। उन्होंने बाबरी मस्जिद गिराई है, पुरानी मुस्लिम जमीनों को लूटा और अहमदाबाद को कब्रिस्तान में बदल दिया। उन्हें मालदीव बुलाना बड़ी गलती है। शेख अब्दुल्लाह मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पत्नी साजिदा मोहम्मद की ओर से बनाए गए एक संगठन से जुड़ा है। पीएम मोदी 25 जुलाई को मालदीव पहुंचेंगे। 26 जुलाई को वहां के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान वे द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। यह मोदी की मालदीव की तीसरी यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच व्यापार, समुद्री सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करेगी। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ अक्टूबर 2024 में हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर काम शुरू किया है। मोहम्मद मुइज्जू के साले के उलट मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा है कि अगर भारत नहीं होता तो हमारी इकोनॉमी बर्बाद हो जाती।

नशीद ने एएनआई से बातचीत में कहा कि उनके देश की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि अगर भारत ने समय पर मदद न की होती, तो मालदीव दिवालिया (डिफॉल्टर) हो गया होता।

यौन शोषण के आरोपी की क्लाइंट लिस्ट में ट्रम्प

उनकी शादी में भी शामिल हुआ था; बर्थडे पर नेकेड गर्ल की फोटो भेजी थी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोपी जेफ्री एप्स्टीन की फाइल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम होने का दावा किया जा रहा है। अमेरिकी वेबसाइट्स सीएनएन और वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने खुद राष्ट्रपति ट्रम्प को मई महीने में इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि यह कोई चौंकाने वाली बात नहीं थी, क्योंकि जो दस्तावेज बॉन्डी ने राष्ट्रपति को दिखाए थे, उनमें ट्रम्प का नाम पहले से ही मौजूद था। इससे पहले बुधवार को ट्रम्प और एपस्टीन की कई पुरानी तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें से कुछ तस्वीर से पता चला कि एपस्टीन 1993 में ट्रम्प की दूसरी शादी में शामिल हुआ था। यह खुलासा उस वक्त हुआ है जब कुछ दिन पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने यह रिपोर्ट छापी थी कि 2003 में ट्रम्प ने एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर उन्हें एक चिट्ठी लिखी थी, जिसमें एक लड़की की न्यूड फोटो थी। हालांकि ट्रम्प ने इस चिट्ठी को लिखने की बात से इनकार किया है। एपस्टीन की क्लाइंट लिस्ट से मतलब उन लोगों की एक लिस्ट से है, जो उसके यौन शोषण और तस्करी के नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। एपस्टीन पर यह आरोप लगे थे कि वह नाबालिग लड़कियों को लोगों तक पहुंचाता था और उनका शोषण करता था। एप्स्टीन की क्लाइंट लिस्ट इसलिए चर्चा में रहती है क्योंकि कहा जाता है कि इसमें कई बड़े और मशहूर लोगों के नाम हैं। जैसे राजनेता, अमीर कारोबारी, या दूसरी प्रभावशाली हस्तियां। हालांकि, अमेरिका की जांच एजेंसियां जैसे एफबीआई और न्याय विभाग बार-बार कह चुकी हैं कि ऐसी कोई आधिकारिक क्लाइंट लिस्ट मौजूद नहीं है। अगर किसी का नाम इस लिस्ट में आता भी है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि वो दोषी है। लेकिन इससे लोगों में शक पैदा होता है, खासकर जब नाम किसी ताकतवर या मशहूर व्यक्ति का हो। प्लाजा होटल में हुए इस इंवेट में एपस्टीन की मौजूदगी के बारे में अब तक ज्यादा जानकारी नहीं थी। एनबीसी ने इसे लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प से पूछा तो उन्होंने कहा कि तुम मजाक कर रहे हो, और फिर बार-बार इसे फर्जी बताकर फोन काट दिया। व्हाइट हाउस के कम्युनिकेशंस डायरेक्टर स्टीवन चेउंग ने इन खुलासों को खारिज करते हुए कहा- ये सिर्फ बिना संदर्भ के तस्वीरें और वीडियो हैं, जिनका इस्तेमाल गलत नजरिया बनाने के लिए किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने एपस्टीन को अपने क्लब से निकाल दिया था क्योंकि वह उनका व्यवहार ठीक नहीं था। यह डेमोक्रेट्स और लिबरल मीडिया की तरफ से बनाई गई फर्जी खबरों का हिस्सा है। 1992 में ट्रम्प ने फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो रिसोर्ट में एपस्टीन और चीयरलीडर्स के साथ एक पार्टी की। 2019 में एनबीसी ने इसका एक फुटेज जारी किया था। जिसमें ट्रम्प, एपस्टीन को एक महिला की ओर इशारा करते दिखते हैं और झुककर कहते हैं- देखो वह बहुत हॉट है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ट्रम्प ने सात बार एपस्टीन के प्राइवेट जेट से ट्रैवल किया था। न्यूयार्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प ने ये सफर 1993 से 1997 के बीच किया था। हालांकि, ये उड़ानें ज्यादातर पाम बीच और न्यूयॉर्क के बीच थीं।

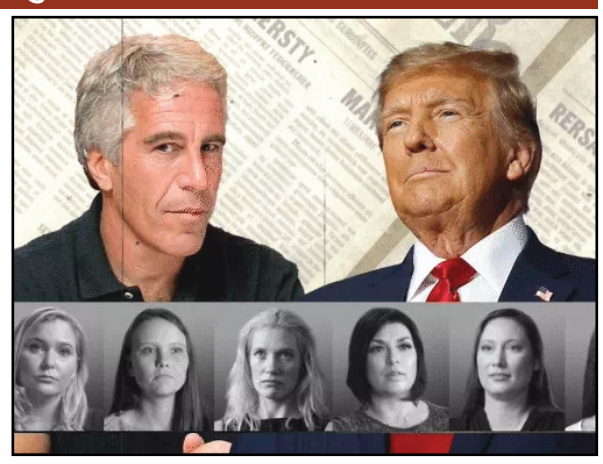

सीरिया में इदलिब शहर के बारूद डिपो में विस्फोट

2 की मौत, 71 से ज्यादा घायल; धमाके की वजह साफ नही

एजेंसी

दमिश्क, सीरिया के उत्तर-पश्चिमी शहर इदलिब में गुरुवार को एक गोला-बारूद डिपो में विस्फोट की वजह से 2 लोग मारे गए हैं, जबकि 71 घायल हुए हैं। पीड़ितों की गिनती अभी भी जारी है। लोकल लोगों ने मीडिया को बताया कि इदलिब के उत्तर में मरात मिसरिन कस्बे में यह धमाका हुआ। इमरजेंसी टीम ने भी इसकी पुष्टि की है। कई लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं, रेस्क्यू टीम बचाव कार्य में जुटी है। अभी तक विस्फोट की वजह का पता नहीं चल सका है। इदलिब सीरिया के उत्तर-पश्चिम में है। यह हमा, अलेप्पो और लताकिया राज्य से घिरा है।

इदलिब, अलेप्पो और दमिश्क को जोड़ने वाली सड़क पर स्थित है, जिस वजह से यह मिलिट्री और व्यापारिक नजरिए से खास है। इदलिब में लगभग 45 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से 19 लाख रिफ्यूजी कैंप्स में रहते हैं। गृहयुद्ध और 2023 के भूकंप की वजह से इस इलाके में गरीबी और बुनियादी सुविधाओं की कमी है। इदलिब लंबे वक्त से आर्तरिक अशांति से जूझ रहा है। पिछले साल विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम (एचटीएस) और उसके सहयोगी ने सीरिया की तत्कालीन बशर अल असद की सरकार को हटाकर इस शहर पर कब्जा कर लिया था।

दक्षिण कन्नड़ जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, रेड अलर्ट जारी

स्कूल और कॉलेज में अवकाश घोषित

एजेंसी

कर्नाटक के तीन तटीय जिलों दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ में 23 जुलाई की रात से भारी बारिश दर्ज की गई है। राज्य में मानसूनी बारिश फिर से तेज होने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले सप्ताह कर्नाटक के कई हिस्सों में भारी बारिश के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से हवाएँ चलने की संभावना है। कर्नाटक में, उडुपी, उत्तर कर्नाटक और दक्षिण कर्नाटक जिलों में अत्यधिक वर्षा के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने गोवा के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और बारिश के रेड अलर्ट के मद्देनजर दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार को आंगनबाड़ियों, प्राथमिक व उच्च विद्यालयों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।जिला प्रशासन ने एक अधिसूचना में कहा कि यह निर्णय भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी रेड अलर्ट के मद्देनजर लिया गया है जिसमें दक्षिण कन्नड़ जिले में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इसमें कहा गया कि सुलिया और बेलथांगडी तालुकों को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में बृहस्पतिवार को आंगनबाड़ियों, प्राथमिक व उच्च विद्यालयों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में अवकाश घोषित किया जाता है।इसके अलावा, मछुआरों को भी समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। तहसील स्तर के अधिकारियों को अनिवार्य रूप से मुख्यालय में रहने के लिए कहा गया है।इस वर्ष दक्षिण कन्नड़ जिले में अब तक 3,026 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जो सामान्य बारिश के आंकड़े 2,091 मिलीमीटर से लगभग डेढ़गुना है।पिछले चौबीस घंटे में दक्षिण कन्नड़ जिले में 32 मिलीमीटर बाारिश दर्ज की गयी है। दक्षिण कन्नड़ जिले में इस वर्ष मानसून मौसम में अब तक वर्षाजनित घटनाओं में छह लोगों की मौत हो चुकी है

कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और बारिश के रेड अलर्ट के मद्देनजर दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले के कुछहिस्सों में बृहस्पतिवार को आंगनबाड़ियों, प्राथमिक व उच्च विद्यालयों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

एसआईआर पर एनएसयूआई का पटना में बवाल

पुलिस ने वाटर कैनन चलाए, कांग्रेस का केंद्र पर निशाना

विरोध प्रदर्शन में मौजूद कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने बढ़ती बेरोजगारी पर जवाब न दे पाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि राज्य अराजकता और अराजकता की स्थिति में पहुँच गया है।

एजेंसी

कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को चुनावी राज्य बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद, पटना में पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स हटाने की कोशिश करने पर कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछारें की गईं और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। विरोध प्रदर्शन में मौजूद कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने बढ़ती बेरोजगारी पर जवाब न दे पाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि राज्य अराजकता और अराजकता की स्थिति में पहुँच गया है।कांग्रेस नेता ने एएनआई को बताया कि युवा नौकरी और रोजगार की माँग कर रहे हैं और पलायन के खिलाफ हैं। बिहार में अराजकता और अराजकता का माहौल है। सरकार जवाब और स्पष्टीकरण देने में असमर्थ है, इसलिए अब कांग्रेस के पास विरोध प्रदर्शन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।इ धरना स्थल पर मौजूद पटना के अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट - कानून व्यवस्था (एडीएम) गोविंद पांडे ने कहा कि सड़क को साफ करना होगा, अन्यथा स्कूल बसें रोक दी जाएँगी। उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के कारण एक एम्बुलेंस पहले से ही पीछे फँसी हुई है।पटना के एडीएम ने एएनआई को बताया कि इलाका ऐसा है कि स्कूल बसों के आने का समय हो गया है, लेकिन कोई अनुमति वगैरह नहीं है। हमें सड़क खाली करानी है,

स्कूल बसें और एक एम्बुलेंस पीछे से रुकी हुई हैं, अगर आप देखें तो... सभी को हिरासत में लिया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान, एनएसयूआई कार्यकर्ता पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को धक्का देते और उन पर चढ़ने की कोशिश करते देखे गए, जबकि उन पर पानी की बौछारें की जा रही थीं। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच, अधिकारियों ने बैरिकेड्स को नीचे गिरा दिया और उन सभी अधिकृत प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलने की कोशिश की जो बैरिकेड्स तोड़कर मौके पर धरना देने में कामयाब रहे।इससे पहले आज, राज्य के विपक्षी नेताओं ने इस साल के अंत में होने वाले राज्य चुनावों से पहले भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के मुद्दे पर बिहार विधानसभा के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

शिकायत में आरोप लगाया गया कि संजय भारती ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए अभद्र का प्रयोग किया था और धमकी दी थी।

एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चितबड़ागांव मंडल के अध्यक्ष मोती चंद्र गुप्त की तहरीर पर चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के पलिगरा गांव निवासी संजय भारती के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।शिकायत में आरोप लगाया गया कि संजय भारती ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए अभद्र का प्रयोग किया था और धमकी दी थी। अपर पुलिस अधीक्षक कृपा शंकर ने बताया कि पुलिस ने आरोपी संजय भारती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

क्या आपने उन्हें कभी गंभीर राजनीति करते देखा है? : निशिकांत दुबे

निशिकांत दुबे ने कहा कि अगर कोई सदस्य बोलना चाहता है, तो उसे सदन में बैठना चाहिए। मुझे लगता है कि उन्होंने नियम नहीं पढ़े हैं। उन्हें सीखना चाहिए कि सरकार कैसे काम करती है, और उन्हें यह मल्लिकार्जुन खड़गे से सीखना चाहिए, अगर किसी और से नहीं।

राहुल गांधी पर निशिकांत दुबे का वार

एजेंसी

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तगड़ा वार किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश के इतिहास में एकमात्र ऐसे विपक्ष के नेता हैं, जिन्हें देश के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। क्या आपने उन्हें कभी गंभीर राजनीति करते देखा है? दुबे ने आगे कहा कि वह मुश्किल से दो मिनट के लिए मीडिया के सामने आते हैं। कई सत्रों में उनकी उपस्थिति शून्य रही है। संसद के कुछ नियम और आचार संहिताएँ होती हैं। नियम 349 के अनुसार, कोई भी सदस्य सदन में बोलने के तुरंत बाद सदन नहीं छोड़ सकता। निशिकांत दुबे ने कहा कि अगर कोई सदस्य बोलना चाहता है, तो उसे सदन में बैठना चाहिए। मुझे लगता है कि उन्होंने नियम नहीं पढ़े हैं। उन्हें सीखना चाहिए कि सरकार कैसे काम करती है, और उन्हें यह मल्लिकार्जुन खड़गे से सीखना चाहिए, अगर किसी और से नहीं। प्रोविजनल रिपोर्ट कहती है कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारी जीत हुई है। उन्होंने कहा कि स्थाई रिपोर्ट तब बनेगी जब हम पीओके पर कब्जा कर लेंगे।

एसआईआर पर उनका बयान दशार्ता है कि उन्हें अपने पिता द्वारा पारित कानून की जानकारी नहीं है। 2003 में भी ऐसा ही एसआईआर किया गया था। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि रक्षा मंत्री को सदन में बोलने की अनुमति है, लेकिन विपक्ष के सदस्यों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, जो विपक्ष का नेता हूं, को बोलने की अनुमति नहीं है। यह एक नया दृष्टिकोण है। परंपरा कहती है कि यदि सरकार की ओर से लोग बोल सकते हैं, तो हमें भी बोलने की जगह दी जानी चाहिए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अगर वे (सरकार) चर्चा के लिए तैयार हैं, तो उन्हें विपक्ष के नेता को बोलने देना चाहिए। वह बोलने के लिए खड़े हुए हैं, इसलिए उन्हें बोलने दिया जाना चाहिए। सपा सांसद राजीव राय ने कहा कि हमारे लिए राष्ट्रहित सर्वोच्च है।